卐 श्री सदगुरू देवाय नम: 卐 卐 ओ३म् 卐 卐 जय माता दी 卐
卐 सीताराम बाबा जी 卐卐 जय बाबा की 卐卐 श्याम बाबा 卐 卐
卐 ! जाके सुमिरन तें रिपु नासा!! ! नाम सत्रुहन बेद प्रकासा!! 卐

उल्लंघ्य सिन्धो: सलिलं सलीलं, य:शोकवह्निं जनकात्मजाया: आदाय तेनैव ददाह लंकां, नमामि तं प्राञ्जलिराञ्जनेयम्
मनोजवं मारुत तुल्य वेगं, जितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम् वातात्मजं वानरयूथ मुख्यं, श्रीराम दूतं शरणं प्रपद्ये

केन्द्र व उत्तरांचल सरकार से विज्ञापन मान्यता प्राप्त

हिन्दी सान्ध्य दैनिक

उत्तरांचल दर्पण

♦वर्ष 23 ♦अंक 94 ♦पृष्ठ 8 ♦रुद्रपुर(ऊधमसिंहनगर) ♦सोमवार ♦9 जनवरी 2023 ♦मूल्य दो रूपया

darpan.rdr@gmail.com 9897427585 UTTARANCHAL DARPAN www.uttaranchaldarpan.in

उत्तराखण्ड के कई गांवों में मुसीबत की दरारें

गढ़वाल के कई अन्य गांवों में भू धंसाव की खबरों से मचा हड़कम्प

देहरादून (उद ब्यूरो)।जोशीमठ के साथ ही गढ़वाल के अन्य इलाकों में भी जमीन धंसने और मकान में दरारों की आ रही तस्वीरों से हड़कम्प मच गया है। एक ओर जोशीमठ में हालात बिगड़ते जा रहे हैं तो दूसरी तरफ गढ़वाल के करीब 25 से अधिक गांव भी हैं, जो भू-धंसाव और घरों में दरारों का दंश झेल रहे हैं। टिहरी जनपद में स्थित नरेंद्रनगर के अटाली गांव में ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेलवे स्टेशन के निर्माण से अटाली गांव के कुछ परिवारों की कृषि भूमि सहित मकानों पर दरारें पड़ी हैं। अटाली गांव की कृषि भूमि पर पिछले दो से तीन दिनों से डेढ़ फुट तक दरारें पड़ चुकी हैं जिसके

चलते गांव के कई घर खतरे की जद में आ चुके हैं। गांव में पड़ रही दरारों को देखते हुए अटाली गांव के पीड़ित परिवारों में रेलवे विभाग के खिलाफ आक्रोश है। पीड़ित परिवारों का कहना है कि उन्होंने रेलवे निर्माण कार्य का विरोध नहीं किया, मगर अब गांव की कृषि भूमि और घरों पर दरारें पड़ रही हैं। ग्रामीणों का कहना है कि प्रशासन और रेलवे के अधिकारी यहां हालात देखने तो आते हैं, मगर सिर्फ आश्वासन देकर चले जाते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि अटाली गांव में उनकी पुश्तैनी जमीन है। मकान हैं। अब इस स्थिति में छोड़कर कहां जायें। उधर उत्तरकाशी में यमुनोत्री नेशनल हाइवे के ऊपर वाडिया गांव के अस्तित्व पर खतरा मंडरा रहा है। वर्ष 2013 की आपदा के दौरान यमुना नदी के उफान पर आ जाने से इस गांव के नीचे कटाव होने लगा था। धीरे-धीरे गांव के घरों में दरार आने लगी। वहीं, यमुनोत्री धाम को जाने वाले एक मात्र नेशनल हाइवे भी धंसने लगा। हालांकि, रिवर साइट में प्रोटेक्शन वर्क से भू-धंसाव हल्का हुआ है लेकिन खतरा अभी भी बरकरार है। बताया गया है कि इस गांव में करीब 100 से अधिक परिवार रहते हैं। (शेष पृष्ठ सात पर)

जोशीमठ भूधंसाव को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने की मांग

नई दिल्ली (उद ब्यूरो)। जोशीमठ में हो रहे भू धसांव को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने और याचिका को तत्काल सुनने की मांग सुप्रीम कोर्ट में उठी है। जोशीमठ भू-धसाव मामले में याचिकाकर्ता ने सुप्रीम कोर्ट से तत्काल हस्पक्षेप की मांग की है।

याचिकाकर्ता ने अपील की है कि मामले में तत्काल सुनवाई की आवश्यकता है और इस संकट को राष्ट्रीय आपदा घोषित किया जाए। कोर्ट ने याचिकाकर्ता को मामले की सुनवाई के लिए मंगलवार को सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया है। दरअसल, जोशीमठ मामले में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती की ओर से याचिका दायर की गई थी। सोमवार को याचिकाकर्ता के वकील ने इस मामले में तत्काल सुनवाई की मांग की, जिस पर मुख्य न्यायाधीश (शेष पृष्ठ सात पर)

कांग्रेस नेताओं ने जोशीमठ में हालातों का लिया जायजा

चमोली (उद संवाददाता)। कांग्रेस प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा एवं पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने आज पार्टी के कई नेताओं के साथ जोशीमठ पहुंचकर भू धंसाव से प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण कर राहत बचाव एवं पुनर्वास कार्यों का जायजा

लिया। 11 सदस्यी दल आज माहरा और हरीश रावत के नेतृत्व में प्रभावित क्षेत्रों में पहुंची। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने भूंधसाव से हुए नुकसान का जायजा लेने के साथ ही प्रभावितों से भी बात की। इस दौरान मीडिया से बातचीत में हरीश रावत ने कहा कि सरकार की करनी का खामियाजा जोशीमठ के लोगों (शेष पृष्ठ सात पर)

विशेषज्ञों ने माना अब रहने लायक नहीं है जोशीमठ

देहरादून (उद संवाददाता)। जोशीमठ में आई आपदा को लेकर बड़ी बात सामने आयी है। बताया गया है कि कहा था कि फिलहाल जोशीमठ को दोबारा बसाने की बात कहना खतरे से खाली नहीं है। जोशीमठ का प्रभावित क्षेत्र घटनाएं आई थीं। इन घटनाओं के बाद प्रशासन भी हरकत में आया और चमोली जिला प्रशासन की ओर से संयुक्त टीम में आ गए। हालात बिगड़ने से कुछ दिन पहले प्रो. सिन्हा के नेतृत्व में आई टीम ने जोशीमठ के इलाके का ड्रोन सर्वे किया

कुछ दिन पहले ठीक आईआईटी कानपुर की रिसर्च टीम जोशीमठ भूधंसाव प्रभावित क्षेत्र में पहुंची थी। इस टीम ने अहम सर्वे किया था। सर्वे टीम ने साफ बिल्कुल भी रहने के लायक नहीं है। बता दें जोशीमठ में भू-धंसाव के मामले दिसंबर से आने शुरू हो गए थे। पिछले महीने क्षेत्र में कई जगहों पर भू-धंसाव की गठित की गई। टीम ने दो दिनों तक नगर में भू-धंसाव से प्रभावित मकानों के सर्वे किया। इस बीच भू धंसाव का सिलसिला लगातार बढ़ता गया। जिससे लोग दहशत था। अभी इसकी रिपोर्ट तैयार नहीं हुयी है। मीडियो रिपोर्ट के मुताबिक प्रो. सिन्हा ने जोशीमठ और आसपास के पूरे इलाका खतरे से भरा बताया (शेष पृष्ठ 7 पर)

ग्राम प्रधानों ने ब्लाक में किया धरना प्रदर्शन

रूद्रपुर (उद संवाददता)। मनरेगा के अंतर्गत एनएमएमएस के माध्यम से उपस्थिति के विरोध में ग्राम प्रधानों ने ब्लाक कार्यालय पहुंचकर धरना प्रदर्शन किया और खण्ड विकास अधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया। इस दौरान ग्राम प्रधानों ने कहा कि मनरेगा के अंतर्गत 1 जनवरी से राज्य में मोबाइल मॉनिटरिंग सिस्टम को अनिवार्य रूप से लागू किया गया है। यह अव्यवहारिक निर्णय है। कहा कि उत्तराखंड की विषम भौगोलिक परिस्थिति होने के कारण अधिकांश गांव में नेटवर्क नहीं है कई किलोमीटर पैदल मार्ग हैं ऐसे में मोबाइल मॉनिटरिंग

सिस्टम लागू करना संभव नहीं है। एमआईएस साइट को दिनों दिन जटिल बनाया जाना एमआईएस में आधार एफटीओ भुगतान की समस्या, ग्राम प्रधानों एवं संबंधित कर्मचारियों को बिना प्रशिक्षण प्रदान किए बिना ही नए सिस्टम को लागू किया जा रहा है। प्रधानों ने कहा महात्मा गांधी रोजगार गारंटी योजना एक ऐसी योजना है जिससे ग्राम पंचायतें अपने ग्राम पंचायत क्षेत्रों में विकास कार्य अधिक करती थी आज भी पंचायतों में कार्य की अधिकता रहती है लेकिन 20 ही कार्य किए जाने की बाध्यता होने के कारण कार्य नहीं हो पा रहे हैं कई फाइलों का समय से सामग्री भुगतान एवं कुशल मजदूरी ना होने के कारण कई माह तब फाइलें गतिमान रहती हैं जबकि पूर्व में जिन फाइलों का मेटेरियल एवं कुशल मजदूरी भुगतान, शेष रहता था उनको फिजिकली क्लोज्ड ऑप्शन के माध्यम (शेष पृष्ठ सात पर)

अंबेडकर के नाम पर किया जाए किच्छा डिग्री कालेज का नाम :बेहड़

किच्छा(उद संवाददाता)। विधायक तिलकराज बेहड़ ने जारी प्रेस नोट में बताया कि किच्छा में वर्ष 2019 से राजकीय मॉडल डिग्री कालेज कार्यरत है जिसमें

क्षेत्र के सैकड़ों बच्चे शिक्षा प्राप्त करने जाते हैं, वे चाहते हैं कि उक्त महाविद्यालय का नाम भारत के संविधान के रचयिता बाबा भीमराव अंबेडकर जी के नाम पर रखा जातथा क्षेत्र के अधिकांश रह गए निवासियों विशेषत: दलित पिछड़े समुदाय की भी ये ही हार्दिक इच्छा है। इसी कारण उन्होंने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी तथा सरकार के शिक्षा मंत्री धन सिंह रावत को एक पत्र लिखा है तथा सरकार से अनुरोध किया है कि किच्छा में चल रहे राजकीय मॉडल डिग्री कालेज का नाम बाबा साहेब डा भीमराव अम्बेडकर राजकीय मॉडल महाविद्यालय किया जाए जो कि यहां यहां के निवासियों के लिए तथा यहां शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं समस्त विद्यार्थियों के लिए एक गर्व की बात होगी तथा आने वाली पीढ़ी बाबा भीमराव अंबेडकर जी के भारत देश के प्रति योगदान से भलीभांति परिचित रहेगी तथा उनके मार्गदर्शन पर विध्यार्थियों का मजबूत भविष्य निर्माण के प्रति प्रेरणादायक सिद्ध होगा।

साड़ी शोरूम से उड़ाई ढाई लाख की नगदी

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। अज्ञात चोरों ने शहर के सिविल लाईन स्थित बंसल साड़ी शोरूम से ढाई लाख की नगदी और हार्डडिक्स समेत अन्य सामान चोरी कर लिया।घटना की सूचना पर पुलिस ने मुआयना कर छानबीन शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक रजत बंसल का सिविल लाईन में बंसल साड़ी के नाम से शोरूम है। रविवार रात चोरों ने शोरूम में धावा बोलकर वहां गल्ले में रखी ढाई लाख की नगदी चोरी कर ली। चोर वहां से हार्ड डिक्स और समेत करीब पचास हजार का अन्य सामान और कागजात भी चोरी कर ले गये। सूचना पर पुलिस ने मौका मुआयना कर घटना की जानकारी ली। पुलिस चोरों तक पहुंचने के लिए सीसी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। दुकान स्वामी की तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

तमंचा दिखाकर गुण्डागर्दी करने का आरोपी गिरफ्तार

बाजपुर (उद संवाददाता)। तमंचा दिखाकर धमकी देने और गुंडागर्दी करने के आरोपी को तमंचा और कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। अन्नू पुत्र सुभाष निवासी गन्ना सोसायटी बाजपुर के खिलाफ शिकायतकर्ता से रुपयो की मांग करने और ना दिए जानें पर कनपटी पर (शेष पृष्ठ 7 पर)

ब्यूटी पार्लर ठेके पर उपलब्ध

रुद्रपुर में गुलाब रेस्टोरेंट के सामने हरिमंदिर गली में स्थित 30x30 फुट की किराये की दुकान में चल रहा बहुत आधुनिक ढंग से बना हुआ ब्यूटी पार्लर पूरे साजो-सामान सहित ठेके पर लें।
(पूर्व में Lakme की फ्रेंचाइजी रही है)

ikyj pyku d bPNd 0;fDr l id dj ekckby l id&8077683095

हिंदुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र ज्योतिर्मठ और कल्पवृक्ष खतरे में

आदि जगतगुरू शंकराचार्य और नरसिंह रूपी भगवान विष्णु की तपोभूमि है जोशीमठ

देहरादून(उद ब्यूरो)। जोशीमठ में हो रहे भू-धंसाव को देखते हुए हर कोई बद्री विशाल और बाबा केदारनाथ से बस यहीं आह्वान कर रहे है कि समय रहते सब कुछ ठीक ठाक रहे लेकिन इन दुआओं के दौर के बीच शुक्रवार को एक मंदिर के धराशायी होने की खबर से लोगों की चिंताएं बढ़ गई हैं। लोग ना सिर्फ जोशीमठ और अपने आशियानों को बचाने की दुआएं मांग रहे है, बल्कि आस्था का केंद्र 2500 वषों से स्थापित ज्योतिर्मठ को भी बचाना चाहते हैं। उत्तराखंड के प्रमुख नगरों में से एक नगर है जोशीमठ जो अपभ्रंश से पहले ज्योतिर्मठ के नाम से भी जाना जाता है जिसका अपना एक पौराणिक इतिहास भी है। जोशीमठ ही वह स्थान है जहां आदि शंकराचार्य ने शहतूत के पेड़ के नीचे तप किया था और यहीं उन्हे ज्ञान प्राप्त हुआ था। यह कल्पवृक्ष जोशीमठ के पुराने शहर में स्थित है और वर्षभर सैकड़ों उपासक यहां आते रहते हैं। इस पेड़ के नीचे भगवान ज्योतिश्वर महादेव विराजमान है। जिनके मंदिर के एक भाग में आदि जगतगुरू शंकराचार्य जी द्वारा ज्योति जलाई गयी है जिसकी मान्यता है कि इस ज्योति के दर्शन मात्र से मानव जीवन का अंधकार समाप्त हो जाता है। कहा जाता है कि बद्रीनाथ के विपरीत जोशीमठ पहला धाम या मठ है। जिसे शंकराचार्य ने स्थापित किया जब वे सनातन धर्म के सुधार के लिये निकले।इसके साथ ही जोशीमठ का पौराणिक महत्व भी है। कहते हैं कि पहले जोशीमठ का क्षेत्र समुद्र में था। जब यहां पहाड़ उदित हुए तो जोशीमठ नरसिंहरूपी भगवान विष्णु की तपोभूमि बनी।नरसिंहरूपी भगवान विष्णु का उद्य कैसे हुआ, इसका भी पौराणिक कथाओं में वर्णन किया गया है।कहा जाता है कि हिरण्यकश्यप ने प्रह्लाद को मारने के लिए कई जतन किये थे, जब होलिका प्रह्लाद को अग्नि में लेकर बैठी और उस वक्त भी प्रह्लाद नहीं जला, तब हिरण्यकश्यप ने एक लोहे के खंभे को गर्म कर लाल कर दिया और फिर प्रह्लाद को उसे गले लगाने को कहा। लेकिन एक बार फिर भगवान विष्णु प्रह्लाद को बचाने आ गये। खंभे से भगवान विष्णु नरसिंह के रूप में प्रकट हुए और प्रह्लाद को बचा लिया और हिरण्यकश्यपु को मार गिराया। लेकिन कहा जाता है कि है हिरण्यकश्यपु को मारने के बाद भी नरसिंह का क्रोध शांत नहीं हुआ था, जिसके बाद भगवान विष्णु के भक्त प्रह्लाद ने उनके क्रोध को शांत करने के लिए कई दिनों तक जाप किया। जिसके बाद उनका क्रोध शांत हुआ और फिर नृसिंह मंदिर में भगवान विष्णु के शांत स्वरूप के दर्शन होने लगे। बद्रीनाथ के कपाट बंद होने के बाद यहां पर भगवान विष्णु की शीतकालीन गद्दी की पूजा की जाती है। पुराणों के अनुसार भगवान श्री नरसिंह जी के दर्शन उपरान्त भी बद्रीनाथ जी के दर्शनों की परम्परा है। **जोशीमठ में भूधंसाव से बदल सकता है पूरे क्षेत्र का नक्शा:** चमोली के जोशीमठ में भूधंसाव के स्पष्ट कारणों का पता लगाने के लिए विशेषज्ञों की टीम निरंतर सर्वे कर रही है। इस बीच वाडिया हिमालय भूविज्ञान संस्थान के विज्ञानियों ने जोशीमठ में जमीन खिसकने को लेकर चौंकाने वाली जानकारी दी है। यहां की जमीन हिमालय के उत्तर से दक्षिण की तरफ सरकने की दर से दोगुनी रफ्तार से खिसक रही है। इससे आने वाले समय में इस पूरे क्षेत्र का नक्शा ही बदल सकता है। सरकार के विशेषज्ञ सर्वेक्षण दल में शामिल वाडिया हिमालय भूविज्ञान संस्थान की वरिष्ठ विज्ञानी डा. स्वप्नमिता के अनुसार, जोशीमठ क्षेत्र का सर्वे सेटेलाइट के माध्यम से कराया गया। इसमें इस विशिष्ट भूक्षेत्र के खिसकने की दर का आकलन किया गया। **भूधंसाव और घरों में दरारें आने का क्रम जारी:** जोशीमठ शहर और उसके आसपास के इलाकों में भूधंसाव और घरों में दरारें आने का क्रम जारी है। कुछ अन्य घरों में भी दरारें उभर आई हैं। इससे समूचे क्षेत्र में दहशत है। जोशीमठ के सिंहधार वार्ड में भूधंसाव बढ़ता जा रहा है। जोशीमठ में हो रहे भू धंसाव के कारण ज्योर्तिमठ और भगवान बदरीनाथ के शीतकालीन प्रवास स्थल को भारी नुकसान पहुंचा है। प्रभावित क्षेत्र से अब तक 109 परिवार शिफ्ट हो चुके हैं। इनमें 49 परिवारों को प्रशासन ने राहत शिविरों में ठहराया है। सुरक्षा की दृष्टि से क्षेत्र में एनडीआरएफ तैनात कर दी गई है, ताकि आपात स्थिति में तत्काल राहत कार्य शुरू किए जा सकें। दरारें लगातार चौड़ी हो रही हैं। जमीन भी जगह-जगह फट रही है। सरकार ने जोशीमठ में हालातों का जायजा लेने के लिए विशेषज्ञों की आठ सदस्यीय टीम अध्ययन के लिए भेजी है। भूधंसाव के कारणों की जांच की जा रही है। समाधान के लिए हर कोण से समस्या का आकलन किया जा रहा है।

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने ज्योर्तिमठ और प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण किया

जोशीमठ। ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने जोशीमठ में हो रहे भू-धंसाव पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि ज्योतिर्मठ भी इसकी चपेट में आ रहा है। रविवार को यहां पहुंचकर उन्होंने ग्रामीणों से मुलाकत की और राहत बचाव कार्य की जानकारी ली। उन्होंने प्रदेश सरकार से भू-धंसाव से प्रभावित परिवारों को त्वरित राहत पहुंचाने और उनके पुनर्वास की समुचित व्यवस्था करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि ज्योतिर्मठ देश की पौराणिक धरोहर के रूप में विख्यात है। इसे बचाने के लिये हर संभव प्रयास किये जाने चाहिये। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार से प्रभावितों के जीवन की सुरक्षा के लिये ठोस कार्ययोजना बनाने की अपील की। पिछले एक वर्ष से जमीन धंसने के संकेत मिल रहे थे। लेकिन समय रहते इस पर ध्यान नहीं दिया गया। पत्रकारों से वार्ता करते हुए शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा कि जोशीमठ में जमीन धंसने की घटना बेहद चिंताजनक है। ऐतिहासिक एवं पौराणिक सांस्कृतिक नगर जोशीमठ खतरे में हैं। एक सप्ताह से जमीन धंसने से 500 से अधिक मकान प्रभावित हुए हैं। मकानों में दरारें आ गई हैं। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा कि हिमालय में जो कुछ हो रहा है, उसको लेकर लंबे समय से चिंता व्यक्त की जा रही थी। इसकी अनदेखी होते रही, जिसके दुष्परिणाम सामने आने लगे हैं। जमीन धंसने को लेकर अलग-अलग कारण बताए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार को सही कारण का पता लगाना चाहिए। शंकराचार्य ने कहा कि राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, गृहमंत्री, मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर जोशीमठ के हालातों की जानकारी देंगे, ताकि सकारात्मक पहल हो सके। प्राथमिकता से पीड़ितों का पुनर्वास कराया जा सके। उन्होंने कहा कि उनके सभी कार्यक्रम स्थगित हो गए हैं। वह स्वयं प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण करने जोशीमठ पहुंचे है।

धौर्य रखें प्रभावित,जोशीमठ बचाने के लिए करेंगे अनुष्ठान

जोशीमठ। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज ने कहा कि जोशीमठ भू धंसाव प्रभावित लोगों को धैर्य और मनोबल समर्थन की जरूरत है। हमने अलग-अलग विशेषज्ञता वाले लोगों को आमंत्रित किया है।कहा कि ज्योतिषियों से लेकर धर्मशास्त्रियों तक के विचार लिए गए। उन्होंने हमें ज्योतिर्मठ की रक्षा के लिए होने वाले अनुष्ठानों के बारे में बताया है। हम आज अनुष्ठान शुरू करेंगे। ज्योतिष्पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने इससे पहले जोशीमठ में आपदा प्रभावितों से मुलाकात की। उन्होंने पीड़ित परिवारों को सांत्वना देते हुए कहा कि एक साल से लगातार भू-धंसाव होने से घरों में दरारें आ रही हैं लेकिन सरकार ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। इसको लेकर उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। शंकराचार्य ने कहा कि प्रभावितों की जो भी समस्या है उसका समाधान निकाला जाए। वहीं दूसरी ओर मातृ सदन के परमाध्यक्ष स्वामी शिवानंद सरस्वती ने कहा कि आज जोशीमठ का अस्तित्व खतरे में है। जोशीमठ केवल उत्तराखंड का ही नहीं, बल्कि पूरे भारतवर्ष का मुकुट है। इसलिए इसे बचाया जाना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि प्रकृति जिस रूप में रहना चाहती है, उसे उसी रूप में रहने दें। प्रकृति के साथ छेड़छाड़ से आपदा आ रही हैं। उन्होंने कहा कि गंगा में अवैध खनन से हरिद्वार में भी आपदा का खतरा मंडरा रहा है।

जोशीमठ पहुंचकर भू धंसाव के हालात का जाएजा लेगी पीएमओ की टीम

देहरादून। उत्तराखंड के जोशीमठ को बचाने के लिए प्रदेश सरकार, विपक्ष, राज्य और केंद्र सरकार की सभी एजेंसियां जुट गई हैं। रविवार को प्रधानमंत्री मोदी के प्रधान सचिव पीके मिश्रा की ओर से जोशीमठ की स्थिति को लेकर एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की गई है। एएनआई के मुताबिक प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव पीके मिश्रा की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक के दौरान उत्तराखंड के मुख्य सचिव ने जोशीमठ से पीएओ को जानकारी दी। वहीं सीमा प्रबंधन सचिव और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सदस्य सोमवार को उत्तराखंड का दौरा करेंगे।उत्तराखंड के जोशीमठ को बचाने के लिए प्रदेश सरकार, विपक्ष, राज्य और केंद्र सरकार की सभी एजेंसियां जुट गई हैं। रविवार को प्रधानमंत्री मोदी के प्रधान सचिव पीके मिश्रा की ओर से जोशीमठ की स्थिति को लेकर एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की गई है। इस बैठक के बाद तय हुआ है कि राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, आईआईटी रुड़की, वाडिया इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन जियोलॉजी, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हाइड्रोलॉजी एंड सेंट्रल बिल्डिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट के विशेषज्ञों की टीमें अध्ययन के बाद अपनी सिफारिशें देंगी।

सेना और आईटीबीपी कैंप की सड़क में भू-धंसाव

जोशीमठ। जोशीमठ धार्मिक पौराणिक एवं ऐतिहासिक शहर ही नहीं बल्कि ये सामरिक दृष्टि से भी बेहद महत्वपूर्ण है। यहां से भारत तिब्बत सीमा महज 100 किलोमीटर की दूरी पर है। यह संसाधनों से भरपूर अंतिम सरहदी शहर है। भू-धंसाव का आकार प्रतिदिन सुरसा राक्षसी की मुंह के सामन बढ़ता ही जा रहा है। अब भू-धंसाव का क्षेत्र सेना और आईटीबीपी कैंप की ओर बढ़ना शुरू हो गया है। सेना मुख्यालय को जोड़ने वाली सड़क भी धंसनी शुरू हो गई है। जल्द इस पर कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया तो देश की सुरक्षा पर भी इसका असर पड़ सकता है। जोशीमठ में सेना की ब्रिगेड और भारत तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) की एक बटालियन तैनात है। जोशीमठ भारत तिब्बत सीमा (चीन के अधिकार क्षेत्र) का अंतिम शहर है। यहां से नीति और माणा घाटी भारत तिब्बत सीमा से जुड़ती हैं। हाल के दिनों में जिस तरह से इस सीमांत शहर में बडे़ पैमाने पर भू-धंसाव की घटना सामने आई है। भू-धंसाव का क्षेत्र अब सेना और आईटीबीपी के कैंप की ओर भी बढ़ना शुरू हो गया है। कैंप की सड़क धंसने के साथ ही सीमा का जोड़ने वाला मलारी हाईवे पर धंस गया है। ऐसे में सेना को आवागमन व रसद की दिक्कत हो सकती है। जिस तरह से यहां बड़ी तेजी से भू-धंसाव हो रहा है उससे स्थानीय लोगों के साथ सेना की चिंता भी बढ़ गई है। खासतौर से तब जब चीन से भारत के संबंधों में तल्खी बनी हुई है। भारतीय सुरक्षा बलों के बाद इस सीमांत इलाके के नागरिक दूसरी रक्षा पंक्ति के पहरेदार हैं।

बाल कलाकार अनुराग रमोला ने राज्यपाल से की भेंट

देहरादून (उद संवाददाता)। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) से शनिवार को राजभवन में बाल कलाकार अनुराग रमोला ने मुलाकात की। उन्होंने राज्यपाल को देवभूमि उत्तराखण्ड के लोकपर्व ईगास-बग्वाल पर आधारित पेंटिंग भेंट की। इस पेंटिंग में उन्होंने उत्तराखण्ड की स्थानीय लोक संस्कृति, आजीविका एवं परिवेश और भौगोलिक परिदृश्य को चित्रित किया है। इस अवसर पर अनुराग ने एक अन्य पेंटिंग भी राज्यपाल के सम्मुख प्रदर्शित की जो, जी-20 पर आधारित है जिसे वह प्रधानमंत्री जी को भेंट करना चाहते हैं। इस पेंटिंग में उन्होंने भारत की जी-20 की अध्यक्षता के वैश्विक विकास के उद्देश्यों से विश्व को परिचित कराया है। पेंटिंग में इस सम्मेलन की व्यापकता को प्रदर्शित किया गया है। अनुराग रमोला केंद्रीय विद्यालय ओएनजीसी में 12वीं कक्षा के छात्र हैं और चित्रकला के क्षेत्र में देश-विदेशों में अनेक

पुरस्कार प्राप्त किये हैं। इनके द्वारा विभिन्न विषयों पर पेंटिंग बनायी जाती है। अनुराग प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार-2021 में भी पुरस्कार विजेता रहे हैं।राज्यपाल ने उभरते कलाकार द्वारा बनाई गयी पेंटिंग को देखकर सराहना करते हुए कहा कि वे बहुमुखी प्रतिभा के धनी हैं और उन्होंने बेहद सुंदर कला का प्रदर्शन किया है।चित्रकला मानव जीवन की महत्वपूर्ण विधा है जो अद्वितीय प्रतिभा से अपनी कल्पनाओं के ब्रश और रंगों से मूर्त रूप देकर ऐसी कला का सृजन करते हैं, जिसे देखकर मन स्वत: ही आत्मविभोर हो जाता है। राज्यपाल ने कहा कि अनुराग ने जहां देवभूमि की लोक संस्कृति और परिवेश को अपनी पेंटिंग के माध्यम से प्रदर्शित किया है वहीं दूसरी ओर जी-20 पर आधारित पेंटिंग के माध्यम से भारत की कला संस्कृति और समृद्ध साहित्य को दर्शाया गया है। उन्होंने कहा कि जी-20 सम्मेलन भारत को अपनी कला, संस्कृति और समृद्ध विरासत को प्रदर्शित करने का एक बेहतरीन मंच होगा। राज्यपाल ने कहा कि ''जी-20 भारत'' पेंटिंग भारत के जी-20 सम्मेलन की अध्यक्षता के परस्पर विचार ''वसुधैव कुटुंबकम'' में निहित भारतीय दर्शन के ''एक विश्व, एक परिवार'' से प्रेरित है। एक कलाकार अपनी कल्पना और कला से इस प्रकार का संदेश दिया जाना बेहद सराहनीय है। उन्होंने कहा कि अनुराग अपनी कला के माध्यम से लोगों को इसी प्रकार के संदेश दें जो आत्मज्ञान की अनुभूति के साथ-साथ उन्हें प्रेरित करते रहें। इस अवसर पर उनके पिता श्री चैत सिंह रमोला भी उपस्थित रहे।

शीघ्र आवश्यकता है

SAMPURNA JEEVAN DHAN NIDHI LIMITED (BANKING SERVICES) को

1. रिसेप्शनिष्ट(महिला)-(1),योग्यता-स्नातक एवं कम्प्यूटर में एक वर्ष का डिप्लोमा,अनुभवी को वरीयता (वेतन योग्यतानुसार)
2. कम्प्यूटर ऑपरेटर कम एकाउन्टेंट-(1)योग्यता-B.C.A. /बी.कॉम, अनुभव-दो वर्ष, (वेतन योग्यतानुसार)
3. सेल्स एक्जीक्यूटिव- (25), योग्यता-हाईस्कूल,अनुभवी को वरीयता स्वयं का दो पहिया वाहन होना अनिवार्य (वेतन-20,000+इन्सेंटिव)
4. मैनेजर- (1) योग्यता-स्नातक+एमबीए (अनुभव 2 वर्ष) (वेतन योग्यतानुसार)
5. सेल्स एक्जीक्यूटिव (महिला एवं पुरूष) -पार्ट टाईम(कमीशन के आधार पर)
6. ड्राईवर (1) योग्यता आठवीं पास

बॉयोडाटा एवं प्रमाण पत्रों सहित 10 से सायं 4 बजे तक सम्पर्क करें।

पता-7&8 ,रुद्रा ऑर्केड कॉम्प्लैक्स प्लॉट नं.12,नैनीताल हाइवे,(31,वीं वाहिनी पी.ए.सी. गेट के सामने) आवास विकास, रुद्रपुर जिला-उधम सिंह नगर
Ph.7055903977,7579280778,05944-240875,05944-297127
www.sampurnajeevan.com

Shri Shyam Properties
Deals In: Sale, Purchase And Rent Of Any Type Of Property
CONTACT NO.: 7830482222, 7500049657

वाटर प्रूफिंग
हमारे यहां मकान की वाटर प्रूफिंग जैसे- छत का टपकना, सिलन आना, लिकीज होना, बेसमेन्ट, शौचालय, बाथरूम, किचन में सिलन आना व पानी टपकना एवं टिन शैड का कार्य सन्तोषजनक किया जाता है।
प्रो. शादाब खान
9012051994, 6399038125
आर्क होटल के पीछे, बत्रा कालोनी, बिलासपुर रोड, रुद्रपुर

अरोरा डेन्टल केयर
Dental Facilities / सुविधायें
डैंटल इंप्लान्ट की सुविधा आसान किस्तों में उपलब्ध
• दांतों की नसों का इलाज / RCT
• फिक्स दांत लगाना / Crown, Bridge & Dental Implant
• नकली दांतों का जबड़ा लगाना / Complete Denture
• टेढ़े-मेढ़े दांतों को सीधा करना / Ortho Treatment
• दांतों के रंग की फिलिंग / Composite Filling
• सफाई द्वारा पायरिया का इलाज / Ultrasonic Scaling
डा. गगनदीप गुम्बर B.D.S.,PGDHA (Oral Implantologist) M.9837081085
डा. अमरप्रीत सिंह अरोरा B.D.S.,(Dental Surgeon) M.9997327642
(15 साल का अनुभव)
1. J.K. Tower, Near Navrang Sweets, Janta Inter Collage Road, Rudrapur
2. Doctor Colony Gali No.1 Near Ahan Hospital, Rudrapur

विशाल श्रीवास्तव बने एबीवीपी प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य

सितारगंज(उद संवाददाता)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद उत्तरण का 23 वां प्रांत अधिवेशन रुद्रपुर में संपन्न हुआ जिसमें उत्तराखंड के कोने-कोने से कार्यकर्ताओं ने प्रतिभाग किया अधिवेशन के 3 दिन तक कार्यकर्ताओं को विद्यार्थी

परिषद ने दायित्व सौंपने का काम किया जिसमें सितारगंज के छात्र नेता युवाओं की आवाज उठाने वाले तथा विद्यार्थी परिषद के तमाम दायित्व पर निर्वहन कर चुके तथा की कार्यशैली और नेतृत्व करने की क्षमता को देखते तथा लंबे समय से कार्य कर रहे विशाल श्रीवास्तव प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य का दायित्व सौंपा तथा प्रदेश नेतृत्व आभार व्यक्त किया और कहा कि जो मुझे संगठन में जिम्मेदारी सौंपी है तो मैं पूर्ण ईमानदारी के साथ में निर्वहन करूंगा और संगठन को आगे बढ़ाने के लिए सदैव अथक प्रयास करूंगा वही सितारगंज शहर मैं विशाल को दायित्व मिलने पर छात्र-छात्राओं तथा शहर के सामाजिक कार्यकर्ताओं में खुशी का माहौल है ।

विधानसभा से बर्खास्त कर्मचारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

देहरादून। उत्तराखंड विधानसभा से बर्खास्त किए गए कर्मचारियों के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। कर्मचारी बहाली को लेकर विधानसभा के बाहर प्रदर्शन कर रहे हैं। आरोप है कि वे विधानसभा अध्यक्ष के विशेष कार्याधिकारी के खिलाफ साजिश रच रहे हैं। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सीओ नेहरू कॉलोनी अनिल कुमार जोशी ने बताया कि विधानसभा सचिवालय के प्रभारी सचिव हेमचंद्र पंत ने अपर मुख्य सचिव गृह से शिकायत की थी। उनका आरोप है कि विधानसभा से बर्खास्त कर्मचारी विधानसभा के पास धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं। आरोप है कि इस दौरान व्हॉट्सएप ग्रुप बनाकर उसमें विधानसभा अफसरों के खिलाफ अपशब्द प्रयोग किए जा रहे हैं। इसमें विशेष कार्याधिकारी के खिलाफ साजिश रचने का भी आरोप है।शासन के निर्देश पर यह शिकायत नेहरू कॉलोनी थाने पहुंची तो अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। सीओ ने बताया कि प्रकरण में जो भी तथ्य शिकायतकर्ता के पास हैं, वे लिए जा रहे हैं। इनके आधार पर आगे की जांच की जा रही है। जल्द ही आरोपियों के नामों का भी खुलासा किया जाएगा। इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों को जांच के लिए भेजा जाएगा। विधानसभा से बर्खास्त कर्मचारियों ने मौन उपवास रख कर प्रदर्शन किया। इन कर्मचारियों ने मुंह पर कपड़ा बांध विधानसभा अध्यक्ष व सरकार से न्याय की गुहार लगाई है। इसके साथ ही चेतावनी दी कि जल्द से जल्द न्याय नहीं मिला तो आमरण अनशन शुरू किया जाएगा। हाईकोर्ट के एकल बेंच में 25 फरवरी को बर्खास्त कर्मचारियों की याचिका पर सुनवाई होगी। रविवार को विधानसभा के बाहर धरने के 21वें दिन बर्खास्त कर्मचारियों ने आंदोलन जारी रखा। इन कर्मचारियों का कहना है कि जब तक उन्हें न्याय नहीं मिलता है, तब तक धरना जारी रहेगा। हाईकोर्ट में न्यायमूर्ति मनोज तिवारी की एकल बेंच में बर्खास्त कार्मिकों की सुनवाई की तारीख सात जनवरी तय थी। न्यायमूर्ति ने 25 फरवरी को सुनवाई की अगली तारीख दी है। विरोध प्रदर्शन के दौरान भूतपूर्व सैनिक नितिन गुसाईं, जीवन सिंह, केदार सिंह, कैलाश अधिकारी, अक्षत शर्मा, विजय सिंह, भूपेंद्र सिंह, गोविंद सिंह, तुषार सिंह समेत अन्य बर्खास्त कर्मचारी मौजूद थे।

राजस्व उपनिरीक्षक की परीक्षा में 140 अभ्यर्थी बैठे

सितारगंज(उद संवाददाता)। उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग की ओर से राजस्व उपनिरीक्षक की परीक्षा नगर के जयपुरिया स्कूल में सम्पन्न हुई। प्रशासन ने परीक्षा केंद्र में 203 अभ्यर्थियों का परीक्षा केंद्र बनाया था। जिसमे 140 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। 63 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। रविवार को दोपहर 11 बजे परीक्षा प्रारम्भ हुई तथा एक बजे सम्पन्न हुई। पिछली परीक्षाओं में हुई अनियमितताओं को देखते हुए इस बार निष्पक्ष परीक्षा के लिए सख्त इंतजाम किये थे। तहसीलदार जगमोहन त्रिपाठी परीक्षा केंद्र में सुबह से ही पहुंच गये थे। एसएसआई विनोद फर्त्याल, एलआइयू इंचार्ज भास्कर बडोला समेत भारी पुलिस बल तैनात था। तहसीलदार जगमोहन त्रिपाठी ने बताया कि सितारगंज केंद्र में 203 परीक्षार्थी पंजीकृत थे। इसमें 127 पुरुष व 76 महिलायें थी। 87 पुरुष व 53 महिलाओं ने परीक्षा दी।

Guru Maa Advanced Dental Care
GURU MAA ADVANCED DENTAL CARE
PRESENTING
invisalign
First Time in Your City
Transform Your Smile Without Braces
WATCH YOUR BEFORE AND AFTER SMILE ON THE SPOT. "WITHOUT ANY COST"
Smile That You Will Love, Experience, That You Will Enjoy
THE INVISIBLE TEETH ALIGNMENT SOLUTION
• Fixes Misaligned Teeth (टेढ़े दांतों से पाएं छुटकारा)
• More Comfort (अधिक आराम)
• No Food Adjustments (कोई खाद्य समायोजन नहीं)
• Easier to Clean (साफ करने में आसान)
• Can be Taken off Anytime (कभी भी उतारा जा सकता है)
• Look Better (बेहतर दिखें)
• Your Oral Hygiene Routine Stays the Same (आपकी ओरल हाइजीन का रुटीन वही रहता है)
• Safe for Children, Adolescents, and Adults (बच्चों, किशोरों और वयस्कों के लिए सुरक्षित)
डॉ. आँचल ढींगरा
डॉ. करन भल्ला
प्लॉट नं 1, सिविल लाइन्स, रुद्रपुर 05944-245666, 74528-80018 www.gurumaadentalcare.com

गोलज्यू की पूजा अर्चना के साथ उत्तरायणी पर्व का हुआ शुभारंभ

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। पर्वतीय सास्कृतिक उत्थान मंच के तत्वावधान मेंआयोजित आठ दिवसीय उत्तरायनी पर्व 2023 का गोलज्यू पूजन के हवन के साथ मंच के अध्यक्ष डॉ. चंद्रशेखर तिवारी व समस्त कार्यकारिणी द्वारा जयघोषों के साथ विधिवत शुभारंभ किया गया। मेंले में बच्चों की आयोजित दौड़ प्रतियोगिता में बालक जूनियर वर्ग में प्रथम स्थान आशीष बिष्ट, द्वितीय स्थान पर आयुष नेगी, तृतीय स्थान पर तनुजा पवार रहे। विशेष पुरस्कार कुणाल आर्य और राकेश बिष्ट को दिया गया। बालक सीनियर वर्ग में प्रथम पुरस्कार साहिल पालीवाल को, द्वितीय पुरस्कार अजय कुमार को तथा तृतीय पुरस्कार राहुल सिंह को मिला। महिला जूनियर वर्ग में प्रथम पुरस्कार तनिष्का जोशी को, द्वितीय पुरस्कार शारदा शाह को जबकि तृतीय पुरस्कार सानवी जोशी ने प्राप्त किया।बालिका सीनियर वर्ग में प्रथम पुरस्कार मीनाक्षी रावत को, द्वितीय पुरस्कार महिमा धामी को व तृतीय पुरस्कार मोनिका अधिकारी

को मिला। खो-खो प्रतियोगिता अंडर-18 में जय अकैडमी प्रथम, द्वितीय आनंदा अकैडमी और तृतीय स्थान सुमित स्कूल ने हासिल किया। बालक सीनियर वर्ग खो खो में प्रथम स्थान विवेक अकैडमी ने, द्वितीय स्थान पर एनके अकैडमी रहे। अंडर-18 बालिका वर्ग में आनंद एकेडमी प्रथम स्थान तथा सुमित स्कूल द्वितीय स्थान पर रहा। सांस्कृतिक संध्या में अमित गोस्वामी ने कैले बाजे मुरुली, घुघुती ना बासा से समा बांधा। साथ हरेंद्र कथायत और बबिता देवी के गानों पर लोग झूमने के लिए मजबूर हुए। मंच संचालन महासचिव मुकेश चंद्र शर्मा ने किया। इस अवसर पर हुकुम सिंह कुंवर, हेमंत बगड़वाल, शोभा बिष्ट, पुष्पा संभल, मधु सागुड़ी, बिमला सांगुड़ी, कल्पना भंडारी, बीडी पाठक,एनबी गुणवंत, देवेंद्र तोलिया, भुवन जोशी, त्रिलोक बनोली गोपाल बिष्ट, लक्ष्मण सिंह मेहरा, ललित बिष्ट, चंद्रशेखर परगाई, बिपिन बिष्ट, स्मित तिवारी, भोपाल बिष्ट, पूरन चंद्र भंडारी, हेम भट्ट, ज्योति पाठक, कैलाश जोशी, विनोद दानी, नेत्रबल्लभ जोशी, मनोज नेगी हिमांशु सनवाल, पूरन रूवाली, तरुण नेगी,राज राणा, रत्ना श्रीवास्तव, नीमा भट्ट आदि सैकड़ों लोग मौजूद थे।

जोशीमठ के परिवारों के लिए बनभूलपुरा में निकाला कैंडल मार्च

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। प्राकृतिक आपदा से घिरे जोशीमठ में प्रभावितों की मदद के लिए बनभूलपुरा के हजारों लोगों ने सरकार से मदद और उनके पुनर्वास की मांग को लेकर जावेद सिद्दीकी के नेतृत्व में कैंडल मार्च निकाला। उन्होंने कहा कि सरकार को मदद एवं पुर्नवास कार्य तत्काल प्रारंभ कर देना चाहिए। लाइन नंबर 17 से शुरू हुआ कैंडल मार्च अनेक मार्गों से होकर गुजरता हुआ ताज चौराहे पर आकर समाप्त हुआ। जावेद ने कहा कि जिस तरह बनभूलपुरा क्षेत्र में पिछले दिनों परेशानी आई थी, उसकी तर्ज पर अब जोशीमठ की जनता पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। ऐसे में इस दुख की घड़ी में हल्द्वानी की जनता जोशीमठ की जनता के साथ खड़ी

है। उन्होंने सरकार से भी आपदा की इस घड़ी में आपदा प्रभावितों को तत्काल मदद पहुंचाने की अपील की। उन्होंने कहा कि मकानों में दरारें आने से सैकड़ों लोग बेघर हो गए हैं। सरकार को उनके लिए पुनर्वास की व्यवस्था करनी चाहिए। हालात ये है कि घरों में दरार पड़ने के साथ ही जमीन धंस रही है। ऐसे में लोगों को मजबूरन अपने घरों को छोड़कर कड़ाके की ठंड में अन्य जगह पलायन कने को मजबूर होना पड़ रहा है। कैंडिल मार्च में अरशद अयूब, कम्मो रानी, जहिरा बेगम, उमैर मतीन, इरफान मिकरानी, मारूफ अंसारी, अख्तर अली, वकील अहमद, रेहान मलिक, मसरूर अहमद, अलीम अंसारी, जावेद मिकरानी, फरीद अहमद, रूखसाना, वाकर अहमद, अकबरी बेगम सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

दस दिवसीय ज्योतिष कर्मकाण्ड शिविर संपन्न

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। श्री महादेव गिरि संस्कृत महाविद्यालय देवलचौड में आयोजित दस दिवसीय ज्योतिष कर्मकाण्ड शिविर का

शिक्षार्थियों द्वारा सामूहिक वेद पाठ व भगवती दुर्गा जी के नवावृति पाठ के साथ विधिवत समापन किया गया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि गणेश मार्तण्ड पंचांग के सम्पादक आचार्य दीपक जोशी ने ज्योतिष के विविध विषयों की जानकारी के साथ-साथ पंचांग निर्माण की विधि के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ विद्वान डॉ. भुवन चंद्र त्रिपाठी ने की। उन्होंने कहा कि कर्मकाण्ड की सही जानकारी होना आवश्यक है। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. नवीन चन्द्र जोशी (प्राचार्य) ने बताया कि दस दिवसीय शिविर में 35 शिक्षार्थियों ने वेद कर्मकाण्ड व ज्योतिष का अध्ययन व अभ्यास किया। साथ ही सभी शिक्षार्थियों को पंचांग सम्पादक दीपक जोशी द्वारा नव वर्ष के पंचांग भैंट किये गये। कार्यक्रम में वरिष्ठ विद्वान डॉ. नवीन चन्द्र बेलवाल, डॉ. मनोज पाण्डेय, पान सिंह विष्ट सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य को सम्मानित किया गया। इस दौरान महाविद्यालय के प्रबन्धक नवीन चन्द्र वर्मा, आचार्य बसन्त बल्लभ त्रिपाठी, अनुराग जोशी, दीपक तिवारी, महेश जोशी, उमेश त्रिपाठी, सचिन पाण्डेय आदि ने भी विचार रखे।

दीपक कुमार बने भाईचारा एकता मंच के प्रदेश अध्यक्ष

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। भाईचारा एकता मंच की 51सदस्यीय काय कारिणी गठन के बाद रिक्त चल रहे प्रदेश अध्यक्ष के पद पर संगठन के कार्यालय में दीपक कुमार का मनोनयन किया गया। संगठन के कार्यालय में भाईचारा एकता मंच के पदाधिकारियों ने नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष का माल्यार्पण कर स्वागत किया वहीं पूर्व से प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रहीं दीपा जोशी को पुन: प्रदेश कार्यकारिणी का सदस्य मनोनीत किया गया। संगठन की महिला टीम ने दीपा जोशी का भी माल्यार्पण कर स्वागत किया। नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि वह संगठन को आगे बढ़ाने के लिए पूर्ण रूप से समर्पित रहेंगे और संगठन के हर सदस्य व पदाधिकारी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य करेंगे। इस अवसर पर संगठन के केंद्रीय अध्यक्ष केपी गंगवार, प्रदेश महामंत्री मुमत्याज अहमद, उत्तर प्रदेश की संयोजिका शीला चौधरी ,जिले की महामंत्री एवं संयोजिका ममता श्रीवास्तव, जिला अध्यक्ष कपिल सिन्हा, महानगर अध्यक्ष उमेश भारती, मीनू, संध्या, मंजू, गीता सिंह, सुमित्रा मुकेश गंगवार कमला कोली निशा राठौर

,कल्पना सक्सेना, आशा मुंजाल,नन्ही देवी, मधु सेठी, रजनी, निर्मला देवी, रूबी,कामनी, सीमा विश्वास, सुमित्रा देवी सहित संगठन के सदस्य मौजूद रहे।

स्वतंत्र पत्रकार राजन नागपाल का निधन

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। नगर के स्वतंत्र पत्रकार, युवा व्यापारी एवम समाज सेवी राजन नागपाल का देर रात्रि अचानक हृदय गति रुकने से निधन हो गया। प्रात: उनके निधन की खबर मिलते ही नगर में शोक की लहर व्याप्त हो गई। भारी संख्या में विभिन्न संगठनों के लोगों ने उनके राजपुरा स्थित आवास पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। स्व. नागपाल का स्थानीय शमशान घाट में अंतिम संस्कार किया गया। जहां तमाम लोगों ने अश्रुपूर्ण नेत्रों से उन्हें अंतिम विदाई दी। मटर गली के युवा व्यापारी, प्रतिष्ठित समाजसेवी व स्वतंत्र पत्रकार राजन नागपाल हंसमुख व मिलनसार स्वभाव के थे और हमेशा समाज में मदद को आगे आते थे। कोविड-19 के दौरान भी उन्होंने अपनी सामाजिक भूमिका निभाई। मटर गली व्यापारी एसोसिएशन सहित शहर के समस्त पत्रकारों

130 लोगों से वसूला 42500 रुपए चालान

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। ऑपरेशन इवनिंग स्टॉर्म के अंतर्गत कोतवाली पुलिस की बड़ी कार्यवाही में

सार्वजनिक स्थानों, दुकानों, होटल, ढाबा मैं अवैध रूप से शराब पीने व पिलाने वाले 130 व्यक्तियो के विरुद्ध 81 पुलिस अधिनियम के अंतर्गत कार्यवाही सहित दो संचालकों के विरुद्ध 83 पुलिस अधिनियम की कोर्ट कार्यवाही करते हुए 130 लोगों से 42500 रुपए चालान वसूला गया। जानकारी के अनुसार एसएसपी द्वारा मासिक अपराध गोष्ठी के दौरान अधीनस्थ पुलिस अधिकारियो को निर्देशित किया गया था कि सार्वजनिक स्थानों में अवैध रूप से शराब पीने पिलाने वालों के विरुद्ध ऑपरेशन इवनिंग स्ट्रांग के अंतर्गत औचक अभियान चलाकर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए थे। जिससे नशे के कारण होने वाले अपराधों पर अंकुश लगाया जा सके।इसके अनुपालन में हरवंश सिंह एसपी सिटी के नेतृत्व में भूपेंद्र सिंह धौनी क्षेत्राधिकारी एवं क्षेत्राधिकारी यातायात के पर्यवेक्षण में कोतवाली, थाना काठगोदाम, बनभूलपुरा एवं थाना मुखानी के थाना प्रभारियो एवं संबंधित चौकी प्रभारियों के साथ संयुक्त रूप से सर्किल हल्द्वानी क्षेत्र अंतर्गत संचालित समस्त होटल, ढाबा, रेस्टोरेंट, रेहडी, ठेला इत्यादि सार्वजनिक स्थानों में औचक रूप से निरीक्षण किया गया। जिस दौरान उपरोक्त स्थानों में सार्वजनिक रूप से शराब पीने पिलाने वाले कुल 130 लोगों के विरुद्ध 81 पुलिस अधिनियम के अंतर्गत चालानी कार्यवाही करते हुए उनसे 42500 का अर्थदंड वसूल किया गया। इसके अतिरिक्त दो होटल ढाबा संचालकों के विरुद्ध 83 पुलिस अधिनियम की कार्यवाही करते हुए कोर्ट के चालान किए गए। कार्रवाई के दौरान एसपी सिटी ने सभी होटल ढाबा संचालकों को सख्त रूप से हिदायत दी कि इसकी पुनरावृति होने पर पुन: कड़ी से कड़ी कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। इवनिंग स्टॉर्म की संयुक्त कार्रवाई के दौरान हरेंद्र चौधरी, प्रभारी निरीक्षक कोतवाली, रमेश बोहरा थानाध्यक्ष मुखानी, प्रमोद पाठक थानाध्यक्ष काठगोदाम, नीरज भाकुनी थानाध्यक्ष वनभूलपुरा, फिरोज आलम चौकी प्रभारी मल्ला काठगोदाम, प्रकाश पोखरियाल चौकी प्रभारी भोटिया पड़ाव, जगदीप सिंह नेगी चौकी प्रभारी मंगलपड़ाव के अतिरिक्त चौकी प्रभारी मंडी, टीपी नगर, लामाचौड,आरटीओ रोड सहित अन्य समस्त पुलिस बल शामिल रहे।

विधायक सुमित जोशीमठ के दो दिवसीय दौरे पर

हल्द्वानी (उद संवाददाता)।विधायक सुमित हृदयेश दो दिन के जोशीमठ दौरे पर रवाना हो गए। विधायक सुमित हृदयेश ने जोशीमठ रवाना होने से पहले बताया कि वे जोशीमठ पहुँचकर रात्रि विश्राम करेंगे। उसके पश्चात दो दिन जोशीमठ में रहकर स्थानीय कांग्रेस नेताओ और कार्यकर्ताओं संग वहाँ की परिस्थितियों का स्थलीय निरीक्षण करेंगे तथा स्थानीय लोगो से मुलाकात कर शासन-प्रशासन तक उनकी परेशानियों को पहुँचाने का

कार्य करेंगे। सुमित हृदयेश ने कहा कि हर विषम परिस्थितियों में कांग्रेस परिवार प्रत्येक जोशीमठ वासी के साथ खड़ा है। बाबा बद्री-केदार सब की रक्षा करेंगे।

गंगापुर में रिपोर्टिंग चौकी स्थापित करने की मांग

रूद्रपुर (उद संवाददाता)।भाजपा प्रदेश मंत्री विकास शर्मा ने एसएसपी को ज्ञापन देकर दक्ष क्षेत्र में गंगापुर रिपोर्टिंग पुलिस चौकी स्थापित करने के लिए शासन को प्रस्ताव भेजने की मांग की है। ज्ञापन में प्रदेश मंत्री ने कहा कि इस क्षेत्र में लगभग 75000 से अधिक आबादी निवास करती है। यहां लगातार नए व्यवसायिक प्रतिष्ठान स्थापित हो रहे हैं तथा कई नई कालोनियां बन चुकी है , गुरु द्वारा,चर्च,कई मंदिर भी स्थित है,कई मॉल तथा ज्वैलरी की दुकानें भी स्थित है। पड़ोस में सिडकुल होने के कारण यह क्षेत्र बाहरी लोगों का आवासीय क्षेत्र बन गया है।जहां पर सिडकुल में कार्य करने वाले अधिकतर लोग किराए पर निवासरत रहते है, लोगो की आवाजाही भी काफी हो गई है ,जिससे यातायात का दवाब भी अधिक रहता है,जिस कारण आप राधिक वारदातें भी बढ़ती जा रही है। थाना काफी दूर होने के कारण लोगों की शिकायतों पर पुलिस समय से न पहुंच पाने के कारण असुविधा का सामना करना पड़ता है। जिसके चलते दक्ष क्षेत्र में गंगापुर रिपोर्टिंग चौकी की स्थापना किया जाना आवश्यक है। उन्होंने एसएसपी से इसके लिए प्रस्ताव भेजने की मांग की है।

MANUFACTURE DATE, EXPIRY DATE, BATCH CODE, PRINTER

AVAILABLE HERE
NEELKANTH ENTERPRISE
Near G Mart, Kashipur By Pass Road, Rudrapur Ph.: 9837071614

ANANT GRAPHICS
All Kinds of Printing Solution...
Price | Time | Quality
We Deals In
Pamphlets | Business Cards | Posters Stickers | Letterheads | ID Cards | Perfect Binding | Catalogues
Cold Lamination | Brochures | Die-Cutting | Thermal Lamination | Labels | Eco Vinyl Printing
Add:- Uttaranchal Darpan Campus, Shyam Talkies Road, 26 Kalyani View, Rudrapur
More information call us 98377 77818
E-mail : anantgraphics.rdr@gmail.com

पूर्व सीएम हरीश रावत समेत जोशीमठपहुंचे कांग्रेस के नेता

भू धंसाव से प्रभावित ग्रामीणों ने विस्थापन की मांग को लेकर दिया धरना

देहरादून/जोशीमठ(उद संवाददाता)। जोशीमठ प्रकरण पर अभी तक बयानों के जरिये भाजपा सरकार को घेरने में जुटी कांग्रेस अब पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी व महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा की अपील के बाद सक्रिय नजर आ रही है। इस कड़ी में रविवार को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल और अनुकृति गुसाईं जोशीमठ पहुंच गए। उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने के साथ ही प्रभावितों से बातचीत भी की। सोमवार को प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा के जोशीमठ पहुंचने की उम्मीद है। जोशीमठ में भू धंसाव की घटना ने पूरे देश का ध्यान खींचा है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी व प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी भू धंसाव पर चिंता व्यक्त करते हुए पार्टी कार्यकर्त्ताओं को प्रभावित की सहायता करने और उन्हें सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने की अपील की थी। साथ ही यह भी कहा कि आपदा की इस घड़ी में पूरा देश एकजुट है और सभी जोशीमठ के निवासियों के साथ हैं। इस अपील के बाद जोशीमठ प्रकरण पर भी गुटों में बंटी दिख रही कांग्रेस हरकत में आई। कांग्रेस ने प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा के नेतृत्व में 11 सदस्यीय समिति का गठन किया। इसमें पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत व नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य व पहले ही जोशीमठ का दौरा कर चुके पूर्व अध्यक्ष प्रीतम सिंह समेत 11 वरिष्ठ पदाधिकारियों को शामिल किया गया। समिति गठित होने के बाद रविवार को कांग्रेस के नेताओं का जोशीमठ पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया। आपदा प्रभावितों ने विस्थापन की मांग को लेकर तहसील में धरना दिया। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत, पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल, अनुकृति गुसाईं रावत व बदरीनाथ के विधायक राजेंद्र भंडारी भी धरने में शामिल हुए। साथ पूर्व मुख्यमंत्री ने आपदा प्रभावितों के घर जाकर उन्हें ढांढस भी बंधाया और हर संभव मदद का भरोसा दिया। इस मौके पर जोशीमठ बचाओ संघर्ष समिति के संरक्षक अतुल सती ने एनटीपीसी की तपोवन विष्णुगाड़ जल विद्युत परियोजना को पूरी तरह निरस्त करने और हेलंग मारवाड़ी बाईपास के निर्माण को भी निरस्त करते हुए जोशीमठ में आपदा प्रभावितों के पुनर्वास की मांग दोहराई है। कहा कि पुनर्वास के लिए बनाए जाने वाली समिति में स्थानीय लोगों को भी शामिल किया जाए। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने आपदा प्रभावितों के तत्काल पुनर्वास की मांग की। उन्होंने कहा कि सरकार ने भूधंसाव की समस्या को नजरअंदाज किया। जिससे यह बड़ी आपदा के रूप में सामने आया है। हरीश रावत ने कहा कि अगर परियोजनाओं से इस तरह के हालात जोशीमठ में बने हैं तो उन्हें बंद कर देना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि अभी परियोजनाओं का काम रोका गया है यह बिल्कुल सही फैसला है। लेकिन, भविष्य में जोशीमठ को अगर बचाना है तो परियोजनाओं को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लेने होंगे। बदरीनाथ के विधायक राजेंद्र भंडारी ने कहा कि तत्काल विस्थापन के लिए भूमि का चयन कर बाजार भाव पर भवनों के मुआवजा की नीति घोषित करनी चाहिए। इस अवसर पर पालिका अध्यक्ष शैलेंद्र पंवार, ब्लाक प्रमुख हरीश परमार, प्रकाश रावत, रजनीश पंवार, हरेंद्र राणा, नरेश नौटियाल, कमल रतूड़ी सहित कई लोग उपस्थित थे।

मुख्य सचिव ने भू-धंसाव वाले क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण किया

देहरादून(उद संवाददाता)। मुख्य सचिव डॉ. एस.एस.संधु ने रविवार को जोशीमठ में भू-धंसाव वाले क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण करते हुए कहा कि देश के विशेषज्ञ वैज्ञानिकों की टीम द्वारा भू-धंसाव कारणों का पता लगाया जा रहा है। कारणों का पता लगने के बाद जो भी ट्रीटमेंट्स आवश्यक होंगे वो यहां पर किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि तात्कालिक रूप से नागरिकों की सुरक्षा बेहद अहम है और स्थानीय प्रशासन इसके लिए लगातार काम कर रहा है। उन्होंने स्थानीय नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि किसी भी दशा में रिस्क ना लें। ऐसी स्थिति में कभी भी नुकसान ज्यादा हो सकता है। इस दौरान डीजीपी पुलिस अशोक कुमार, सचिव मुख्यमंत्री आर. मीनाक्षी सुंदरम, जिलाधिकारी हिमांशु खुराना सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री ने फोन पर मांगी जानकारी

देहरादून। जोशीमठ भूधंसाव के मामले में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी खुद नजर बनाए हुए हैं। मामले को लेकर रविवार को प्रधानमंत्री मोदी ने फोन पर उत्त्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से बातचीत की। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने ट्विट कर यह जानकारी दी।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने फोन पर जोशीमठ की विस्तृत जानकारी ली और पूछा कि कितने लोग इससे प्रभावित हुए हैं। उन्होंने जोशीमठ भूधसांव से होने वाले नुकसान के बारे में भी पूछा।उन्होंने जोशीमठ के लोगों के विस्थापन के लिए किए जा रहे कार्यों के लिए बारे में भी पूछा। बातचीत में प्रधानमंत्री ने जोशीमठ को बचाने के लिए हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। जोशीमठ में हो रहे भू धसांव को लेकर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि इस मामले में पीएमओ लगातार संपर्क में हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी फोन कर हर सम्भव का आश्वासन दिया है। उन्होंने प्रभावितों के विस्थापन को लेकर उठाए जा रहे कदम, नुकसान के बारे में पूछा। साथ ही कितने परिवार जद में आ रहे हैं, किस तरह वहां पानी निकल रहा है, विस्थापन के लिए क्या प्रयास किए हैं, राहत शिविर में कैसे लोग रह रहे हैं। आगे कैसे उनके की पुनर्वास की व्यवस्था होनी है आदि पर विस्तार से चर्चा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहाड़ में जितने भी शहर हैं उनकी धारण क्षमता कितनी है, क्या वह अपनी धारण क्षमता पर कर चुके हैं, इस बारे में भी जानने की कोशिश की जा रही है।

गरीबों और और दिव्यांगजनों को कंबल बांटे

देहरादून(उद संवाददाता)।देश के सबसे बड़े पत्रकार संगठन नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्टस इंडिया उत्तराखण्ड द्वारा कड़ाके की ठंड से बचाव हेतु गरीब एवं दिव्यांग लोगों को कम्बल वितरण कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम में 100 से अधिक गरीबों एवं विकलांगजनों को कंबल बांटे गए।कार्यक्रम में उपस्थित हुए मुख्य अतिथि दून मेडिकल कॉलेज के वरिष्ठ सर्जन डॉ. अभय कुमार ने सभी लोगों को स्वस्थ्य रहने के टिप्स के साथ सर्दी के मौसम में बचाव की जानकारी दी। उन्होंने यूनियन द्वारा गरीबों के लिए किये जा रहे कार्य की जमकर सराहना की।कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्टस इंडिया उत्तराखण्ड के मुख्य संरक्षक ब्रहमदत्त शर्मा ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष संजय तलवाड़ के आहवान पर प्रदेश भर में सर्दी के मौसम को देखते हुए गरीबों को कंबल वितरण के साथ साथ रक्तदान सहित कई जनहित के कार्यक्रम चलाने की योजना है। ताकि यूनियन सामाजिक गतिविधियों में बढ़ चढ़कर भागीदारी कर सके। उन्होंने संगठन की मजबूती के लिए सभी पत्रकारों को संगठन से जुड़कर उनकी समस्याओं के लिए एक साथ संघर्ष करने की बात कही।वही पत्रकारों की प्रमुख समस्याओं को संगठित होकर उसका समाधान हेतु संगठन से जुड़ने की अपील की। कार्यक्रम संचालन यूनियन के प्रदेश उपाध्यक्ष हर्ष निधि शर्मा ने किया। इस दौरान नवनियुक्त प्रदेश उपाध्यक्ष हर्ष निधि शर्मा का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित हुए सैकड़ों विकलांग एवं गरीबों ने यूनियन का आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम में विशिष्ठ अतिथि सेवानिवृत ब्रिगेडियर केजी बहल, डॉ. आर के बख्शी, जिलाध्यक्ष अल्मोड़ा सतीश जोशी,वेद प्रकाश दुग्गल, राजू वर्मा, शुभम ठाकुर, अमन कंडेरा, शगुफ्ता मंसूफ, शमा खान सहित कई पत्रकार एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे।

उत्तरायणी मेले की तैयारियों में जुटा कपकोट नगर पंचायत

कपकोट(उद संवाददाता)।नगर पंचायत कपकोट,उत्तरायणी मेले को भव्य बनाने के लिए तैयारियों में जुट गया है।मेले को ऐतिहासिक बनाने के लिए नगर पंचायत युद्ध स्तर पर तैयारियां कर रहा है।नगर पंचायत द्वारा भराड़ी बाजार का उत्तरायणी मेला भव्यता से मनाने के लिए फूलों की तरह नगर को सजाया जा रहा है।नगर में रंगरोधन शुरू हो गया है।वही 2019 के बाद 2023 में 3 साल के बाद उत्तरायणी मेले की रौनक दिखेगी।नगर पंचायत अध्यक्ष गोविंद बिष्ट ने कहा कि इस बार मां बाराही मंदिर में 5 दिन तक रंगारंग कार्यक्रम होंगे, नगर मेंस्वच्छताअभियान चलाया जा रहा है,मेले को भव्य बनाने के लिएबाहरी व्यापारी पहुंचने लगे है।नगर पंचायत द्वारा मेले के भव्य आयोजन के लिए विभिन्न समितियों का गठन किया गया है, विभिन्न सांस्कृतिक दलों और स्कूली छात्रों द्वारा नगर में भव्य झांकी निकाली जाएगी। वही मेले के शुभारम्भ के लिए स्थानीय विधायक सुरेश गढ़िया के सहयोग से मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री को मेले में आमंत्रण भेजा गया है।मेलाध्यक्ष गोविन्द बिष्ट ने कहा कि कपकोट के विभिन्न पट्टियों, तल्ला मल्ला दानपुर की विभिन्न सँस्कृतियो का मेले में समावेश किया जाएगा। मेले के शांति पूर्वक संचालन शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस अधीक्षक से पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था, और अराजकता करने वालों पर सख्ती बरतने के निवेदन किया गया है।नगर में मेले के दौरान विभिन्न स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जा रहे हैं। यूको बैंक के समीप शामा सौंग चौराहा, मां बाराही मंदिर में मेले में अराजक तत्वों की नजर रखने के लिए कैमरा लगाए गए हैं। पूजा पाठ संपन्न करने के लिए घाट में स्नान करने के लिए हनुमान मंदिर के पास स्नानघर बनाए गए है। कपकोट के विभिन्न पुलों का रँगरोधन भी कराया जा रहा है।मेलाध्यक्ष ने सभी मेलार्थियों से मेले को भव्य बनाने में सहयोग की अपील की।

मेले में स्थानीय लोगों को व्यापार में मिले वरीयता

व्यापार मंडल ने की बाहर से आने वाले लोगों का सत्यापन करने की मांग

बागेश्वर(उद संवाददाता) नगर व्यापार मंडल की बागनाथ मंदिर में आयोजित बैठक में उत्तरायणी मेले में व्यापार मंडल ने बाहर से आने वाले लोगों का शत फीसद सत्यापन करने की मांग प्रमुखता से रखी।नगर अध्यक्ष कविजाशी कि अध्यक्षता में आयोजित बैठक में उत्तरायणी मेले में स्थानीय व्यापारियो को भी व्यापार में लाभ मिले इसके लिए स्थानीय व्यापारियों, फड़ व्यवसाईयों को, वेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार प्रदान करने के लिए आर्वटित दुकानों में स्थानीय लोगों को दुकान के दामों में छूट देने की मांग की।वक्ताओं का कहना है कि यह मेला ऐतिहासिक, सांस्कृतिक तथा धार्मिक मेला है। इसे बेहतर बनाया जाएगा। व्यापार मंडल पदाधिकारियों ने मेले की भव्यता को बनाने के लिए जिला प्रशासन और पालिका को पर्याप्त सहयोग देने की बात कही।बैठक में तहबाजारी, यूजर चार्ज, उत्तरायणी मेले में बाहरी व्यापारी को दी जाने वाली अस्थाई सदस्यता व मंडलसेरा पीपल चौक सड़क के किनारे बनी दुकानों में लगे नगर पालिका द्वारा नोटिस पर चर्चा की गई।इस दौरान तहबाजारी को वापस लेने की मांग को लेकर समस्या समाधान के लिए उपजिलाधिकारी को ज्ञापन व वार्ता कर आंदोलन की आगे की रणनीति तैयार करने,यूजर चार्ज पर व्यापार संघ कापूर्व निर्णय लागू रहने, नगर में व्यापारियों से डोर टू डोर कूड़ा एकत्रित नही किए जाने तक कोई भी यूजर चार्ज नहीं देने,उत्तरायणी मेले में बाहरी व्यापारी को व्यापार हेतु10 दिन की अस्थाई सदस्यता देने, मेले के समापन के बाद सभी बाहरी व्यापारियों को वापस भेजने,उत्तरायणी मेले में झूला पुल पूर्व की तरह एक तरफ से खोलने के लिए जिलाप्रशासन से मांग,पूर्व व्यापार मंडल पदाधिकारी के हमलावरों की गिरफ्तारी के लिए कोतवाली का घेराव करने का निर्णय लिया गया।इस दौरान बैठक में व्यापार संघ सचिव,पुष्कर किरमोलिया, नवीन लाल साह जिला कोषाध्यक्ष, उमेश साह जिला संरक्षक, विपिन साह, पंकज पाण्डे,हरीश सोनी, बब्लूजोशी, गोविंदलाल साह,आशीष लाल साह,तारा दत्त तिवारी,सुनील कुमार, अमित रस्तोगी, सुंदर सिंह,रविंद साह, भगत रावल, देवेंद्र अधिकारी,भरत रावल, दीपक जोशी,हरीश रावल,रमेश दानू,रमेश चौबे,संजू रावल, महिपाल भरड़ा, चंदन कोरंगा, भगवती प्रसाद, गजेंद्र सिंह,मनोज अधिकारी, विजय कुमार वर्मा,बसंत जोशी,संतोष जोशी, खड़क सिंह आदि मौजूद थे।

शिविर में दी कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी

सुल्तानपुर पट्टी (उद संवाददाता)। ग्राम चंदनपुरा में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वाधान में राज्य सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं की जागरूकता शिविर के माध्यम से जानकारी दी गयी। तहसील बाजपुर के ग्राम चंदनपुरा में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उधम सिंह नगर के तत्वाधान में प्रधान पति अमरजीत सिंह की अध्यक्षता में पराविधिक कार्यकर्ता मोहम्मद शहीद ने राज्य सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाएं वृद्धा पेंशन,विधवा पेंशन,किसान पेंशन, बौना पेंशन,श्रम कार्ड तथा श्रमिक कार्ड व स्वास्थ्य कार्ड आदि की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। पैनल अधिवक्ता महिपाल सिंह ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से मिलने वाले निशुल्क विधिक सेवाओं की जानकारी देकर जागरूक किया। इस अवसर पर मनवीर सिंह,बलविंदर सिंह, कुवरपाल,राजेश सिंह,अनिल,साहब सिंह, राजेंद्र सिंह,सुखपाल,सोनू सिंह,गुरनाम सिंह, अरविंद, बलदेव सिंह,रवि,गुरुदेवसिंह आदि मौजूद रहे।

उत्तरांचल दर्पण सम्पादकीय

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

घटती विकास दर

एक बार फिर रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने घटती विकास दर और बढ़ती महंगाई को लेकर चिंता जाहिर की है। हालांकि वे यह भरोसा दिलाना नहीं भूले कि महंगाई पर काबू पाना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने इस साल आर्थिक विकास दर सात फीसद रहने का अनुमान जताया है, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में करीब पौने दो फीसद कम है। उन्होंने माना कि अगर महंगाई ऊंचे स्तर पर बनी रहती है, तो फिर वृद्धि और निवेश में जोखिम बढ़ सकते हैं।हालांकि रिजर्व बैंक अपनी ब्याज दरों में बदलाव करके कई बार महंगाई पर काबू पाने का प्रयास कर चुका है, मगर उसके अपेक्षित परिणाम नजर नहीं आए। उल्टा आवास, वाहन, कारोबार आदि के लिए कर्ज लेने वालों पर ब्याज का बोझ और बढ़ गया है। बैंकों से कर्ज लेने के प्रति लोगों में अनुत्साह नजर आने लगा है। यह सच्चाई छिपी नहीं है कि आर्थिक विकास दर में सुस्ती और महंगाई की दर ऊंची बने रहने के पीछे असल वजहें क्या हैं। शक्तिकांत दास ने भी स्वीकार किया कि विनिर्माण और खनन क्षेत्र में खराब प्रदर्शन की वजह से आर्थिक विकास दर को ऊंचा रख पाना कठिन बना हुआ है। इसके अलावा बढ़ता राजकोषीय और व्यापार घाटा, जीवाश्म ईंधन के आयात पर निर्भरता आदि के चलते महंगाई पर नियंत्रण कर पाना कठिन है। कृषि क्षेत्र में उपज बढ़ने से जीन्सों की कीमतों में कुछ नरमी जरूर आ सकती है, मगर भारी उद्योग के क्षेत्र में सुस्ती चिंता का सबब बनी हुई है। यह अच्छी बात है कि रिजर्व बैंक के गवर्नर ने आर्थिक स्थिति को बड़ी साफगोई से बयान किया, मगर लोग उनसे यह नहीं सुनना चाहते कि विकास दर पहले की तुलना में घटेगी और महंगाई का रुख ऊपर की तरफ बना रहेगा। आम जन तो इस समस्या से पार पाना चाहते हैं।इसके उपाय सोचना रिजर्व बैंक और वित्त मंत्रालय का काम है। मगर कई मामलों में दोनों के बीच वैचारिक अंतर देखा जाता है। रिजर्व बैंक आर्थिक विकास दर को लेकर अपना कोई अनुमान पेश करता है, तो वित्त मंत्रालय ठीक उसके उलट या विरोधाभासी आंकड़े पेश कर देता है। वित्तमंत्री अभी तक यह मानने को तैयार नहीं हैं कि भारत में मंदी का वातावरण है। उन्हें भरोसा है कि जल्दी ही देश इस संकट से बाहर निकल आएगा। इसी भरोसे के साथ वे अर्थव्यवस्था की गुलाबी तस्वीर पेश करती हैं।विकास दर को बेहतर बनाने और महंगाई को लोगों की सहनशक्ति के स्तर लाने के लिए जरूरी है कि आयात को कम किया और निर्यात को बढ़ाया जाए। मगर स्थिति यह है कि पिछले सालों में लगातार आयात बढ़ और निर्यात घट रहा है। आत्मनिर्भरता का नारा कामयाब नहीं हो पा रहा, जिसका नतीजा है कि विनिर्माण के क्षेत्र में चिंताजनक स्थिति बनी हुई है। इस समय पूरी दुनिया में मंदी की छाया है, इसलिए विश्व बाजार में भारतीय उत्पाद की खपत बढ़ाना बड़ी चुनौती है।आयात पर निर्भरता बढ़ती जाने का नतीजा है कि विदेशी मुद्रा भंडार तेजी से छीज रहा है। विदेशी कर्ज का बोझ काफी बढ़ा है, जिसका ब्याज चुकाना ही भारी पड़ रहा है। ऐसे में लंबे समय तक कच्चे तेल के आयात को लेकर भी चिंता जताई जाने लगी है। फिर भी घरेलू बाजार और घरेलू उत्पाद को प्रोत्साहित करने की योजनाओं पर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया जा रहा। ऐसे में रिजर्व बैंक का केवल चिंता प्रकट करना निराशा पैदा करता है।

महिला ने तीन नाबालिग बेटियों का करा दिया धर्मांतरण,मुकदमा दर्ज

देहरादून। पुरोला के बाद अब राजधानी में भी धर्मांतरण का मामला सामने आया है। समुदाय विशेष के एक व्यक्ति पर आरोप लगा है कि उसने महिला को झांसे में लेकर उसकी तीन नाबालिग बेटियों का धर्मांतरण करा दिया। आरोपी ने बच्चियों का दाखिला बिजनौर के एक मदरसे में करा दिया। बच्चियों की नानी की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।सीओ नेहरू कॉलोनी अनिल कुमार जोशी ने बताया कि देहरादून की बुजुर्ग महिला की शिकायत पर कार्रवाई की गई है। उन्होंने पुलिस को बताया कि उनकी एक बेटी की शादी दून में ही रहने वाले सोनू वर्मा से हुई थी। उसकी तीन बेटियां हैं।इनमें सबसे बड़ी आठ, दूसरी छह और तीसरी तीन साल की है। दंपती में विवाद होने पर तीनों बच्चियों के साथ उनकी बेटी एक साल पहले मायके आकर रहने लगी। यहां एक कबाड़ी निवासी नया गांव, नेहरू कॉलोनी आता-जाता है। वह महिला की बेटी के संपर्क में आ गया। पिछले साल वह महिला की बेटी और उसकी तीनों पुत्रियों को अपने साथ ले गया। इस बीच महिला को पता लगा कि तीनों बच्चियों का धर्मांतरण कर उनका दाखिल बिजनौर के चांदपुर स्थित मदरसे में करा दिया गया है। इसके बाद नानी तीनों को लेकर दून आई। इस दौरान विवाद भी हुआ। यहां आकर उन्होंने धर्मांतरण और मारपीट को लेकर आरोपी के खिलाफ तहरीर दी। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सीओ ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। जल्द ही उसे गिरफ्तार किया जाएगा।

भारत के वैज्ञानिक अनुसंधान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नागपुर में 108 वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस का आभासी उद्घाटन करते हुए कहा कि भारत के वैज्ञानिक अनुसंधान पूरी दुनिया के लिए मार्गदर्शक सिद्ध हो रहे हैं।अतएव उनसे अपेक्षा है कि वे देश को आत्मनि बनाने की दिशा में अहम भूमिका निभाएं।साथ ही इसे महिला वैज्ञानिकों की भागीदारी से और सशक्त बनाएं। विज्ञानियों का ज्ञान आमजन तक जाएगा तो उनके दैनिक जीवन के क्रियाकलापों और सोच में बदलाव आएगा। खासतौर से हमें क्वांटम तकनीक,डाटा विज्ञान के संग्रह,नए टीकों का विकास और नई बीमारियों के प्रति सचेत रहते हुए इन दिशाओं में अनुसंधानों को बढ़ावा देना है।युवा वैज्ञानिकों को इस नाते उल्लेखनीय पहल करने की जरूरत है।यदि मोदी इन लक्ष्यों की पूर्ति हेतु धन के अतिरिक्त प्रावधान की घोषणा कर देते तो उत्साही नावों'वेषी वैज्ञानिकों को प्रोत्साहन मिलता।क्योंकि अनेक कल्पनाशील वैज्ञानिक धन की कमी के चलते अपने अनुसंधान को परिणाम तक नहीं पहुंचा पा रहे हैं।इस नाते नीति आयोग की रिपोर्ट ने भी धन की कमी जताई है। नीति आयोग की अनुसंधान और विकास (आरएंडडी) से जुड़ी ताजा रिपोर्ट में कहा है कि 2008-09 से 2017-18 तक के वित्तिय वर्षों में अनुसंधान और विकास पर भारत सरकार द्वारा किए खर्च का लेखा-जोखा है। 2008-09 में भारत अपने सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का जहां 0.8 प्रतिशत खर्च करता था, वहीं यह खर्च 2017-18 में घटकर 0.7 प्रतिशत रह गया। इस रिपोर्ट में 2018-19, 2019-2020, 2020-2021 एवं 2021-2022 के वित्तिय वर्षों की जानकारी नहीं है। फिलहाल भारत अपनी जीडीपी का मात्र 0.6 प्रतिशत शोध पर खर्च करता है। इस नाते भारत अनुसंधान के पैमाने पर चीन और अमेरिका से तो पीछे है ही, दक्षिण अफ्रीका से भी पिछड़ा है, दक्षिण अफ्रीका में जीडीपी दर 0.8 प्रतिशत है, जो भारत से अधिक है। आरएंडडी पर विश्व का औसत खर्च 1.8 प्रतिशत है, अतएव हम औसत खर्च का आधा भी खर्च नहीं करते हैं।भारत का शोध पर कुल खर्च 17.6 अरब डॉलर है,जबकि अमेरिका का 581 और चीन का 298 अरब डॉलर है। नतीजतन हम नए अनुसंधान,आविष्कार और स्वदेशी उत्पाद में पिछड़े हैं। इसीलिए पेटेंट के क्षेत्र में भारत विकसित देशों की बराबरी करने में पिछड़ गया है।भारत से कम जीडीपी वाले फ्रांस,इटली,ब्रिटेन और ब्राजील भी हमसे कई गुना ज्यादा धन शोध पर खर्च करते हैं। यदि यही सिलसिला जारी रहा तो वैश्विक प्रतिस्पर्धा में भारत कैसे टिक पाएगा, यह विचारणीय बिंदु है। इसीलिए हमारे उच्च शिक्षा संस्थान विश्व प्रतिस्पर्धा की रैंकिंग में पिछड़ रहे हैं।2022 में दुनिया के 100 शिक्षा संस्थानों में भारत के बमुशिकल दो क्यू एस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी और आईआईटी,दिल्ली को इस योग्य पाया है। हालांकि नवाचारी वैज्ञानिकों को लुभाने की सरकार ने अनेक कोशिशें की हैं। बावजूद देश के लगभग सभी शीर्ष संस्थानों में वैज्ञानिकों की कमी है। वर्तमान में देश के 70 प्रमुख शोध-संस्थानों में 3200 वैज्ञानिकों के पद खाली हैं। बैंगलुरु के वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआइआर) से जुड़े संस्थानों में सबसे ज्यादा 177 पद रिक्त हैं। पुणे की राष्ट्रीय रसायन प्रयोगशला में 123 वैज्ञानिकों के पद खाली हैं। देश के इन संस्थानों में यह स्थिति तब है, जब सरकार ने पदों को भरने के लिए के आकर्षक योजनाएं शुरू की हुई हैं। इनमें रामानुजम शोधवृत्ति, सेतु-योजना, प्रेरणा-योजना और विद्यार्थी-वैज्ञानिक संपर्क योजना शामिल हैं। महिलाओं के लिए भी अलग से योजनाएं लाई गई हैं। इनमें शोध के लिए सुविधाओं का भी प्रावधान है। इसके साथ ही राज्यों में कार्यरत वैज्ञानिकों को स्वदेश लौटने पर आकर्षक पैकेज देने के प्रस्ताव दिए जा रहे हैं। बावजूद न तो छात्रों में वैज्ञानिक बनने की रुचि पैदा हो रही है और न ही परदेश से वैज्ञानिक लौट रहे हैं। इसकी पृष्ठभूमि में एक तो वैज्ञानिकों को यह भरोसा पैदा नहीं हो रहा है कि जो प्रस्ताव दिए जा रहे हैं वे निरंतर बने रहेंगे ? दूसरे नौकरशाही द्वारा कार्यप्रणाली में अड़ंगों की प्रवृत्ति भी भरोसा पैदा करने में बाधा बन रही है। मौजूदा परिदृश्य में कोई भी देश वैज्ञानिक उपलब्धियों से ही समर्थ हो सकता है। मानव जीवन को यही उपलब्धियां सुखद और समृद्ध बनाए रखने का काम करती हैं। भारत में युवा उत्साहियों या शिक्षित बेरोजगारों की भरमार हैं, बावजूद वैज्ञानिक बनने या मौलिक शोध में रुचि लेने वाले युवाओं की संख्या कम है। इसकी प्रमुख वजह हम अपने वैज्ञानिकों को खिलाड़ी, अभिनेता, नौकरशाह और राजनेताओं की तरह रोल मॉडल नहीं बना पा रहे हैं। सरकार विज्ञान से ज्यादा महत्व खेल को देती है। दूसरे उस सूचना तकनीक को विज्ञान मान लिया गया है, जो वास्तव में विज्ञान नहीं है, बावजूद इसके विस्तार में प्रतिभाओं को खपाया जा रहा है। वैज्ञानिक प्रतिभाओं को तवज्जो नहीं मिलना भी प्रतिभाओं के पलायन का एक बड़ा कारण है। जाहिर है, हमें ऐसा माहौल रचने की जरुरत है, जो मौलिक अनुसंधान व शोध-संस्कृति का पर्याय बने। इसके लिए हमें उन लोगों को भी महत्व देना होगा, जो अपने देशज ज्ञान के बूते आविष्कार में तो लगे हैं, लेकिन अकादमिक ज्ञान नहीं होने के कारण, उनके आविष्कारों को वैज्ञानिक मान्यता नहीं मिल पाती है। इस नाते कर्नाटक के किसान गणपति भट्ट ने पेड़ पर चढ़ने वाली मोटरसाइकल बनाकर एक अद्वितीय उदाहरण पेश किया है। लेकिन इस आविष्कार को न तो विज्ञान सम्मत माना गया और न ही गणपति भट्ट को अशिक्षित होने के कारण केंद्र या राज्य सरकार से सम्मानित किया गया। यह व्यवहार प्रतिभा का अनादर है। आज वैश्वीकरण के दौर में विज्ञान और तकनीकी के क्षेत्र में अनुसंधान और विकास बहुत महत्वपूर्ण हैं। लेकिन उदारवादी अर्थव्यवस्था का दूसरा दुखद पहलू है कि हमारे उच्च दर्जे के विज्ञान शिक्षा संस्थान प्रतिभाओं को आकर्षित ही नहीं कर पा रहे हैं। हमारी ज्यादातर प्रतिभाएं या तो विदेश पलायन कर जाती हैं अथवा इंजीनियरिंग के साथ एमबीए करके निजी बैंकों, बीमा कंपनियों अथवा अन्य प्रबंधन संस्थानों से जुड़ जाती हैं। यहां ये प्रतिभाएं जो बुनियादी शिक्षा हासिल की होती है, उसके विपरीत कार्य-संस्कृति में काम करने को विवश होते हैं। देशी-विदेशी तमाम सलाहकार सेवा संस्थान इंजिनियरों से बैंकिंग बही-खातों के संधारण का काम करा रहे हैं। यही काम हमारे राष्ट्रीय या निजी बैंकों में इंटर पास लिपिक करते हैं। क्या यह विरोधाभासी कार्य संस्कृति प्रतिभा के साथ छल नहीं है ? क्या इंजीनियर बहुराष्ट्रीय कंपनियों के सोड़ा, साबुन, कोला, सिगरेट, टीवी, कंप्युटर या दो पहिया अथवा चार पहिया वाहनों के लिए ग्राहक तलाशने के लिए हैं ? विज्ञान संस्थानों में जब प्रतिभाओं को अनुकूल काम करने का माहौल नहीं मिलता है, तो वे इतर उपभोक्ता संस्थानों में काम करने को मजबूर हो जाते हैं। युवा विज्ञान से किनारा कर रहे हैं, तो वैज्ञानिक कार्य-संस्कृति में ही खोट होना तय है ? यही वजह है कि जो शोध हो रहे हैं, उनमें पूर्व में ही हो चुके कार्यों को अदल-बदलकर दोहराया जा रहा है। विश्वविद्यालय स्तर पर विज्ञान व कला विषयों पर कराए जा रहे शोधों में तो दोहराव की प्रवृत्ति ने स्थायी भाव ही धारण कर लिया है। यह प्रवृत्ति चिंताजनक है। यह प्रवृत्ति तब से और ज्यादा पनपी है, जब राजनेताओं और नौकरशाहों के गठजोड़ ने कालाबाजारी करने वाली चिटफंड कंपनियों और भू व शराब माफियाओं तक को डीम्ड विश्वविद्यालय और महाविद्यालय खोलने की सौगातें दे दीं। उच्च शिक्षा को चौपट करने का यह बड़ा कारण बना हुआ है। इसीलिए दुनिया के शीर्ष 100 विश्वविद्यालयों की रैंकिंग में भारत अकसर पिछड़ता रहा है। यहां गौरतलब है कि 1930 में जब देश में फिरंगी हुकूमत थी, तब देश में वैज्ञानिक शोध का बुनियादी ढांचा न के बराबर था। विचारों को रचनात्मकता देने वाला साहित्य भी अपर्याप्त था। अंग्रेजी शिक्षा शुरुआती में दौर में थी। बावजूद जगदीष चंद्र बसु ने भौतिकी और जीव-विज्ञान में वैश्विक मान्यता दिलाने वाले आविष्कार किए।यही बसु अपने मौलिक आविष्कार रेडियो का पेटेंट नहीं करा पाए,अन्यथा रेडियो का आविष्कार भारत के नाम होता। सीवी रमन ने साधारण देशी उपकरणों के सहारे देशज ज्ञान और भाषा को आधार बनाकर काम किया और भौतिक विज्ञान में नोबेल दिलाया। सत्येंद्रनाथ बसु ने आइंस्टीन के साथ काम किया। मेघनाथ साहा, रामानुजम, पीसी रे और होमी जहांगीर भाभा,शांतिस्वरूप भटनागर,विक्रम साराभाई ने अनेक उपलब्धियां पाईं। रामानुजम के एक-एक सवाल पर पी-एचडी की उपाधि मिल रही हैं। एपीजे कलाम,जयंत विष्णु नार्लीकर, महिला वैज्ञानिक टीसी थॉमस और के शिवम जैसे वैज्ञानिक भी मातृभाषा में आरंभिक शिक्षा लेकर महान वैज्ञानिक बने हैं। लेकिन अब उच्च शिक्षा में तमाम गुणवत्तापूर्ण सुधार होने और अनेक प्रयोगशालाओं के खुल जाने के बावजूद गंभीर अनुशीलन का काम थमा है। उपलब्धियों को दोहराना मुमकिन नहीं हो रहा। दरअसल बीते 75 सालों में हमारी शिक्षा प्रणाली ऐसी अवधारणाओं का शिकार हो गई है, जिसमें समझने-बुझने के तर्क को नकारा जाकर रटने की पद्धति विकसित हुई है। दूसरे संपूर्ण शिक्षा को विचार व ज्ञानोन्मुखी बनाने की बजाय, नौकरी अथवा कैरियर उन्मुखी बना दिया गया है। मसलन सरकार जो भी धन खर्च रही है, वह वैज्ञानिक बनाने पर खर्च ही नहीं हो रहा ? शैक्षिक उपलब्धियों को व्यक्ति केंद्रित बना दिया गया, जो संकीर्ण सोच और निजी विषेशज्ञता को बढ़ावा देती हैं। नए आविष्कार या अनुसंधानों की शुरुआत अकसर समस्या के समाधान से होती है, जिसमें उपलब्ध संसाधनों को परिकल्पना के अनुरुप ढालकर क्रियात्मक अथवा रचनात्मक रूप दिया जाता है। यही वैचारिक स्त्रोत आविष्कार के आधार बनते हैं। किंतु हमारी शिक्षा पद्धति से इन कल्पनाशील वैचारिक स्त्रोतों को तराशने का अध्यापकीय कौशल कमोबेश नदारद है, लिहाजा कल्पनाशीलता कुंठित हो रही है। अंग्रेजी का दबाव भी नैसर्गिक प्रतिभाओं को कुंठित कर रहा है। हमारे ज्यादातर राजनेताओं में इस जड़ता को तोड़ने की इच्छाशक्ति का अभाव है।हालांकि नरेंद्र मोदी ने इस जड़ता को तोड़ने का संकल्प लिया हुआ है।उन्होंने नई शिक्षा नीति लागू कर देश की सभी मातृभाषाओं में शिक्षा देने के क्रांतिकारी उपाय किए हैं।मध्यप्रदेश में तो चिकित्सा शिक्षा की पढ़ाई तक हिंदी माध्यम से शुरू हो गई है।इधर मद्रास आईआईटी ने इसोचश विषय को पाठ्यक्रम में शामिल कर अद्वितीय प्रयोग किया है। जिन रूस, चीन और जापान से हम वैज्ञानिक अनुसंधान के क्षेत्र में पिछड़ रहे हैं, उनसे हमें सबक लेने की जरुरत है कि उनकी विज्ञान व तकनीकी शिक्षा के माध्यम अपनी मातृभाषाएं हैं। अतएव देश में जब तक वैज्ञानिक कार्य संस्कृति के अनुरुप माहौल नहीं बनेगा, तब तक दूसरे देशों से प्रतिस्पर्धा में अकेले धन के बूते आगे नहीं निकल पाएंगे ?

-प्रमोद भार्गव,लेखक/पत्रकार

दर्द में दवा से भी ज्यादा जरूरी एक्सरसाइज

मुरादाबाद (उद ब्यूरो)।तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी के फिजियोथैरेपी विभाग की ओर से अमरोहा के ग्राम चुचौला कलां में आयोजित मुफ्त स्वास्थ्य शिविर में ग्रामवासियों के जोड़ों के दर्द, कमर दर्द, घुटनों के दर्द, गर्दन का दर्द, मांसपेशियों का दर्द, गठिया का दर्द आदि की नि:शुल्क जांच और इलाज किया गया। लोगों के दर्द का कारण जानने और उसके उपचार के लिए स्टुडेंट्स की ओर से स्परलिंग टेस्ट, सरवाईकल डिस्ट्रेक्शन टेस्ट, एसएलआर, नर्व इम्पिन्जमैंट टेस्ट, थॉमस टेस्ट के संग-संग विभिन्न स्ट्रेचिंग टेस्ट भी किए गए। जिन मरीजों का इलाज शिविर में संभव नहीं था, उन्हें टीएमयू अस्पताल में रेफर किया गया। शिविर में फिजियोथैरेपी के एचओडी डॉ. फरहान खान ने ग्रामीणों को बताया कि केवल दवा ही दर्द का इलाज नहीं है। दर्द में दवा से अधिक जरूरी एक्सरसाइज है। उन्होंने दर्द के स्थान के अनुसार विभिन्न प्रकार की एक्सरसाइजों के बारे में ग्रामीणों को विस्तार से बताया। डॉ. खान ने एक्सरसाइज के समय कुछ विशेष सावधानियों और दर्द से बचने के लिए कुछ परहेज के बारे में भी विस्तार से चर्चा की। शिविर में लगभग 160 ग्रामीणों की जांच और इलाज किया गया। चिकित्सा शिविर में चुचौला के ग्राम प्रधान इकराम चौधरी का विशेष सहयोग रहा। उन्होंने टीएमयू के नेक काम की प्रशंसा करते हुए कहा, समय-समय पर ग्रांव में ऐसे कैंप होते रहने चाहिए। इस मौके पर फैकल्टी शिप्रा गंगवार के संग-संग एमपीटी के

स्टुडेंट्स फरहान खान और अक्शा ताहिर, बीपीटी के स्टुडेंट्स अन्नया जायसवाल, करिश्मा शर्मा, शिखा, सिमरन रस्तोगी, अनिका सइद, सुमबुल फातिमा, निमरा खान, ईसा, ऊरूसा, मोहिनी जैन, मोहम्मद रफी, इस्माइल अली, रेहान अली, अवनीश कुमार, उस्मान, आबिद, फरमान, फुरकान अली, अनंत त्रिवेदी, आदि मौजूद रहे। वही तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी के आउटरीच एंड एक्सटेंशन एक्टिविटिज सेल एंड तीर्थंकर महावीर मेडिकल कॉलेज एंड रिसर्च सेंटर की टीम की ओर से मुरादाबाद ब्लॉक के गांव नानक बाडी में नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया। इस शिविर में 80 रोगियों की मधुमेह, रक्तचाप, दंत रोग, नाक, कान और गले की जांच और आंखों की जांच के संग-संग नि:शुल्क दवाईंया भी दी गईं। आउटरीच एंड एक्सटेंशन एक्टिविटिज सेल के ज्वाइंट डायरेक्टर डॉ. अमित शर्मा ने बताया, शिविर का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर चिकित्सा सुविधाएं देने के अलावा बदलते मौसम के कारण होने वाली बीमारियों से बचाव के बारे में जानकारी देना है। शिविर का संचालन टीएमयू हॉस्पिटल के मार्केटिंग हेड आशुतोष शर्मा ने किया। शिविर में जनरल फिजिशियन डॉ. सीमांस जैन, दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. अंजलि शर्मा और डॉ.गरिमा, नेत्र विशेषज्ञ डॉ. रिम्मी झा, डॉ. प्राची जैन, डॉ. इरम, अंकुर यादव आदि शामिल रहे।

पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर संयुक्त मोर्चा ने किया सीएम आवास कूच

देहरादून(उद संवाददाता)। पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर मुख्यमंत्री आवास कूच कर रहे राष्ट्रीय पुरानी पेंशन बहाली संयुक्त मोर्चा के कार्यकर्ताओं और कर्मचारियों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। बाद में उन्हें पुलिस लाइन ले जाकर छोड़ा गया। बैरिकेडिंग लगाकर उन्हें रोक लिया। इस दौरान कर्मियों की पुलिस के साथ तीखी नोकझोंक हुई। पुलिस ने सभी को हिरासत में ले लिया और रेसकोर्स स्थित पुलिस लाइन ले गई। बाद में उन्हें छोड़ दिया गया। करीब एक घंटे तक कर्मचारी यहां जूझते रहे। वह लगातार वार्ता के लिए बहाली संयुक्त मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीपी सिंह रावत ने कहा कि यह दुखद है कि उनकी मांग को सुने बिना सीधे हिरासत में लिया गया। सरकार को यह भारी पड़ेगा। चेतावनी दी कि जल्द ही पुरानी पेंशन बहाल न की तो वह सड़कों पर उतरकर उग्र आंदोलन करेंगे।वहीं, के बीच पहुंचे और समर्थन दिया। कहा कि कहा कि जिन राज्यों में कांग्रेस की सरकार हैं, वहां पुरानी पेंशन योजना को लागू कर दिया गया है। हिमाचल प्रदेश सरकार भी घोषणापत्र के अनुरूप इस दिशा में काम कर रही है।उत्तराखंड में भी कांग्रेस ने विधानसभा चुनाव 2022 के

उन्होंने उग्र आंदोलन की चेतावनी दी है। मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीपी सिंह रावत के आह्वान पर रविवार को परेड ग्राउंड में कर्मचारी एकजुट हुए। यहां से वह एश्ले हॉल, राजपुर रोड, दिलाराम बाजार होते हुए सीएम आवास की ओर नारे लगाते हुए आगे बढ़े। दिलाराम बाजार से कुछ दूरी पर तैनात पुलिस ने मुख्यमंत्री को बुलाने की मांग कर रहे थे। इस मौके पर मुकेश प्रसाद बहुगुणा, डॉ. डीसी पसबोला, सीताराम पोखरियाल, विक्रम रावत, एके यादव, बबीता रानी, केके मिश्रा, अवधेश सेमवाल, रणबीर सिंधवाल, नरेश भट्ट, अवंतिका पोखरियाल सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी शामिल रहे।राष्ट्रीय पुरानी पेंशन कांग्रेस ने पुरानी पेंशन बहाली की मांग के साथ राष्ट्रीय पुरानी पेंशन बहाली संयुक्त मोर्चा के मुख्यमंत्री आवास कूच को समर्थन दिया है। पूर्व नेता प्रतिपक्ष व विधायक चकराता प्रीतम सिंह ने सीएम आवास कूच कर रहे कार्मिकों को हिरासत में लेने की निंदा की है। प्रीतम पुलिस लाइन में गिरफ्तार कर लाए गए कार्मिकों घोषणापत्र में पुरानी पेंशन योजना को लागू करने का वादा किया था। कहा कि कर्मचारियों की ओपीएस की मांग को लेकर कांग्रेस उनके साथ है। इस दौरान पूर्व विधायक केदारनाथ मनोज रावत, पूर्व विधायक गंगोत्री विजयपाल सजवाण, पूर्व विधायक राजपुर रोड राजकुमार, पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचंद शर्मा आदि मौजूद थे।

आईजी भरणे ने रिलीज किया सीरियल सैटरडे नाइट का ट्रेलर

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। आईजी कुमायूं डा. नीलेश आनंद भरणे ने अपने कार्यालय ने शिव शांति फिल्म कंबाइन के बैनर तले उत्तराखंड में पहली बार नशे व अपराध पर आधारित धारावाहिक सैटरडे नाइट के ट्रेलर को रिलीज किया।श्री भरणे ने धारावाहिक से जुड़े सभी लोगों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह

धारावाहिक अपने उद्देश्यों को पूरा करते हुए युवाओं को नशे जेसी बुराइयों से दूर रहने के लिए प्रेरित करेगा ऐसा उन्हें विश्वास है। क्योंकि आज का युवा वर्ग नशे की ओर तेजी से बढ़ रहा है। युवाओं को जागरूक करने के लिये यह धारावाहिक प्रेरणा बनेगा। धारावाहिक की निर्माती प्रेरणा गुप्ता ने बताया कि यह धारावाहिक युवाओं में बढ़ती नशे के प्रति जागरूक करने हेतु बनाया गया है। उन्होंने बताया धारावाहिक यूट्यूब चौनल क्राइम अलर्ट उत्तराखंड पर प्रसारित किया जाएगा। धारावाहिक का नाम सैटरडे नाइट रखा गया है। इस मौके पर धारावाहिक के डायरेक्टर हेमंत ,रजनीश थापा, सह निर्देशन-सोनी अनीश एनी, कलाकार घनश्याम भट्ट ,सुषमा प्रसाद वसीम आदि मौजूद थे।

पंतनगर और जौलीग्रांट में अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट बनाने को केंद्र से मिली सैद्धांतिक सहमति

देहरादून। प्रदेश में हवाई सेवाओं का दायरा लगातार बढ़ता ही जा रहा है। इस कड़ी में प्रदेश सरकार अब उत्तराखंड के दो एयरपोर्ट पंतनगर और जौलीग्रांट को अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट बनाने की दिशा में आगे कदम बढ़ा रही है। केंद्र ने पंतनगर एयरपोर्ट के विस्तार के लिए इससे लगे तीन किमी के क्षेत्र पर एयर स्ट्रिप बनाने को सैद्धांतिक सहमति दी है। अब यहां पर अवरोधों को लेकर अध्ययन किया जाएगा।वहीं, जौलीग्रांट एयरपोर्ट के विस्तार को राज्य ने केंद्र को बताया है कि एयरपोर्ट से सटे हाथी गलियारे को नहीं हटाया जाएगा। इस प्रकरण को सिया (राज्य स्तरीय पर्यावरणीय प्रभाव आकलन प्राधिकरण) के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा, ताकि अनुमति मिल सके। प्रदेश सरकार लगातार देहरादून में जौलीग्रांट और ऊधमसिंहनगर में पंतनगर एयरपोर्ट को अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट बनाने की कवायद में जुटी हुई है। बीते वर्ष अगस्त में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से मुलाकात भी की थी। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ने सकारात्मक कार्रवाई का आश्वासन दिया था। इस कड़ी में केंद्र की टीम ने पंतनगर में एयरपोर्ट विस्तार को लेकर सर्वे भी किया था। अब इसके विस्तार को सैद्धांतिक सहमति दी गई है। देखा जाए तो पंतनगर एयरपोर्ट का विस्तार कई मायने में महत्वपूर्ण है। यहां पंतनगर सिडकुल, सितारगंज सिडकुल व काशीपुर सिडकुल हैं। इनमें देश-विदेश की कंपनियों के उद्यम हैं। कुछ ऐसी भी कंपनियां हैं, जिनमें कोई तकनीकी दिक्कत होने पर उसे ठीक करने के लिए विदेश से विशेषज्ञ आते हैं। काशीपुर व महुआखेड़ा औद्योगिक क्षेत्र है। खुरपिया फार्म किच्छा को अमृतसर-कोलकाता इंडस्ट्रियल कोरीडोर के दायरे में लिया गया है। इसका सर्वे भी हो चुका है। इसके साथ ही उत्तराखंड से नेपाल व चीन की सीमा लगी है। ऐसे में सामरिक दृष्टि से भी यह अहम है। वहीं, जौलीग्रांट एयरपोर्ट राजधानी देहरादून में ही है। धर्मनगरी हरिद्वार व ऋषिकेश भी इसके निकट हैं। ऐसे में देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों के लिए यह खासा मुफीद है। जौलीग्रांट एयरपोर्ट को विस्तार देने के लिए पहले इससे इससे सटे शिवालिक हाथी गलियारे को हटाने की बात हुई थी। इस पर जब आपत्तियां लगीं तो इससे कदम पीछे खींचे जा रहे हैं। सचिव नागरिक उड्डयन दिलीप जावलकर का कहना है कि पंतनगर में अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट स्थापित करने के लिए सकारात्मक रूप से आगे बढ़ रहे हैं। जौलीग्रांट के विषय में भी जल्द अड़चनें दूर होने की उम्मीद है।

जोशीमठ में भूधांसाव का आंकलन के लिये कांग्रेस ने गठित की 11 सदस्यीय कमेटी

देहरादून। प्रदेश कांग्रेस ने जोशीमठ में भूधांसाव के निरीक्षण और राहत बचाव कार्य की निगरानी के लिये प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा के नेतृत्व में 11 सदस्यीय कमेटी का गठन किया है। समिति जोशीमठ में प्रभावित क्षेत्रों में सरकार के कार्यों पर नजर रखेगी, साथ ही नुकसान का जायजा भी लेगी। कमेटी के सदस्य जोशीमठ पहुंचकर प्रभावित क्षेत्र का मुआयना भी करेंगे। पार्टी की प्रदेश प्रवक्ता गरिमा माहरा दसोनी ने बताया कि इस कमेटी में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष के अलावा नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य, पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत, पूर्व अध्यक्ष प्रीतम सिंह, पूर्व अध्यक्ष गणेश गोदियाल, उप नेता प्रतिपक्ष भुवन कापड़ी, स्थानीय विधायक राजेंद्र भंडारी, द्वारहाट विधायक मदन बिष्ट, हल्द्वानी विधायक सुमित हृदयेश, पूर्व राष्ट्रीय सचिव प्रकाश जोशी और अनुकृति गुसाईं को शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि यह कमेटी जोशीमठ में स्थानीय व्यक्तियों के जान माल की रक्षा के लिए उठाए जा रहे कदमों पर नजर रखेगी। साथ ही यह भी देखेगी कि पहले आई आपदा में सरकार ने कितने व्यक्तियों का पुनर्वास किया है। कमेटी भू-वैज्ञानिकों और पर्यावरणविदों के सर्वे तथा संस्तुतियों की जानकारी लेगी। कमेटी सरकार पर हेलंग बाइपास पर हो रहे निर्माण कार्य और एनटीपीसी समेत अन्य निर्माण कार्यों पर रोक लगाने के लिए दबाव बनाएगी। एनटीपीसी ने जोशीमठ के सभी घरों का बीमा करवाने के संबंध में जो समझौता किया था, उसके अनुपालन की स्थिति भी कमेटी जानेगी। वहीं ता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने जोशीमठ प्रकरण को लेकर भाजपा को निशाने पर लिया है। नेता प्रतिपक्ष ने पूछा कि अभी तक सत्ताधारी दल के कितने सांसदों व विधायकों ने जोशीमठ को बचाने की आवाज उठाई है।नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने ट्वीट कर कहा कि जनता ने भाजपा के पांच सांसद और 47 विधायक जिताए हैं। केंद्र व राज्य में भाजपा की सरकारें हैं। इनमें से कितनों ने जोशीमठ को बचाने के लिए आवाज उठाई। स्थानीय लोग बीते 14 माह से अधिकारियों का ध्यान क्षेत्र की इस समस्या की ओर खींचने की कोशिश कर रहे हैं लेकिन ध्यान नहीं दिया गया। अब चीजें हाथ से निकल कर रही हैं, इसलिए विशेषज्ञों की टीम भेजी जा रही है। उन्होंने कहा कि जोशीमठ के अस्तित्व पर खतरा तब तक बरकरार रहेगा, जब तक परियोजनाओं को स्थायी रूप से बंद नहीं किया जाता।

पेज एक का शेष...

उत्तराखंड के कई गावों मे..गांव के लिए की जाने वाली बिजली सप्लाई के खंभे भी अब तिरछे हो गए हैं। रुद्रप्रयाग जनपद के तहत विकासखंड अगस्त्यमुनी का मरोड़ा गांव भी ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन की भेंट चढ़ा है। इस गांव में भी बड़ी दरारें पड़ चुकी हैं और अब गांव पूरी तरह से खाली हो रहा है। पीड़ित ग्रामीणों को विस्थापन के नाम पर मात्र कुछ धनराशि दी जा रही है, लेकिन पीड़ित परिवार इसे नाकाफी बता रहे हैं। पीड़ितों का कहना है कि इतनी कम धनराशि में वह मकान बनाएंगे या जमीन खरीदेंगे। पौड़ी के सौड गांव में रेलवे का कार्य से 30 से अधिक घरों पर दरारें पड़ी है। ग्रामीणों ने सरकार को कई बार इस विषय पर अवगत करवा दिया है, लेकिन अभी तक किसी ने भी सुध नहीं ली।

विशेषज्ञों ने माना..है। ये लैंड स्लाइडिंग जोन में है। यहां दशकों तक लैंड स्लाइडिंग होती रही है। हालांकि, पिछले कुछ सालों में ये स्थिर रहा। बार-बार लैंड स्लाइड के कारण यहां पत्थर कमजोर हो गए हैं। इसके बावजूद लोगों ने यहां मलबे पर घर, होटल बना लिए। पिछले कुछ सालों में काफी विकास कार्य यहां हुए। अब एक बार फिर से पहाड़ अपलिफ्ट हो रहे हैं। मतलब उठ रहे हैं। इसके चलते अंदर से मलबा खिसक रहा है और जमीन धंसने लगी है। प्रो. सिन्हा और उनकी टीम का ये भी मानना है कि घाटी में नदियों के ठीक किनारे आबादी बस गई है। ये बेहद खतरनाक है। अनप्लांड डेवलपमेंट के चलते अब लोगों की जान खतरे में पड़ गई है। अगर समय रहते इसे सुधारा नहीं गया, तो आने वाले समय में और भयावह स्थिति देखने को मिल सकती है। जब बिना भूकंप और बारिश के जमीन धंसने लगी है तो अंदाजा लगाइए अगर बारिश हो जाएगी या फिर भूकंप आ जाएगा तो स्थिति कितनी भयावह हो जाएगी। सूत्रों के मुताबिक सर्वे टीम का मानना है कि जोशीमठ और आस-पास के इलाके को तुरंत खाली करना चाहिए। क्यों कि अब ये इलाका खतरे से खाली नहीं है।

जोशीमठ भूधंसाव को...डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा की पीठ ने कहा, उचित प्रक्रिया का पालन करने के बाद मंगलवार को फिर से याचिका उल्लेख करें। याचिका में दावा किया गया है कि यह जोशीमठ में भू-धसांव बड़े पैमाने पर औद्योगीकरण के कारण हुआ है और उन्होंने उत्तराखंड के लोगों को तत्काल वित्तीय सहायता और मुआवजे की मांग की है।

कांग्रेस नेताओं ने ...को भुगतना पड़ रहा है। उन्होनें कहा कि अनियोजित विकास का नतीता जोशीमठ में भू धंसाव के रूप में सामने आया है। उन्होंने कहा कि सरकार व जिला प्रशासन असुरक्षित हो चुके मकानों से परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर भेजने के साथ साथ क्षति के आंकलन की कार्यवाई करे और प्रभावितों को जल्द से जल्द मुआवजा प्रदान करे और पुनर्वास की व्यवस्था करे।

इस दौरान जिला कांग्रेस कमेटी कार्यकारी अध्यक्ष मुकेश नेगी , पूर्व प्रत्याशी श्रीमती अनुकृति गुसाई, युवा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष सुमित्तर भुल्लर, नवनीत सती सहित ब्लॉक/नगर कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारीगण मौजूद रहे।

ग्राम प्रधानों ने ...से बंद कर दिया जाता था ताकि कार्य ग्राम पंचायतों में सुचारू रूप से गतिमान रहे परंतु अब उस व्यवस्था को समाप्त कर दिया गया है जिससे ग्राम पंचायतों में विकास की गति वर्तमान में शून्य है। प्रधानों ने कहा कि केंद्रीय वित्त से ग्राम पंचायतों को मिलने वाली 15 वित्त की धनराशि आज तक ग्राम पंचायतों को नहीं मिली है जिससे ग्राम पंचायतों में विकास कार्य पूर्ण रूप से ठप हैं। वर्तमान वित्तीय वर्ष 22-23 की कार्य योजना पर एक भी कार्य नहीं हुए हैं जबकी पंचायती राज विभाग द्वारा जनवरी माह तक आगामी वित्तीय वर्ष की कार्य योजना बनाने का फरमान जारी किया गया है ।ग्राम प्रधानों ने सीएम को भेजे ज्ञापन में कहा कि पूर्व में ग्राम प्रधानों को कोरोना प्रोत्साहन राशि 10 हजार तथा ग्राम पंचायत आपदा निधि के रूप में 10 हजार देने की घोषणा की थी जो आज तक पूर्ण नहीं हुई है जिससे ग्राम प्रधान अपने आप को ठगा महसूस कर रहे हैं। ग्राम प्रधानो ने कहा कि उनकी समस्याओं का समाधान एक सप्ताह के भीतर नहीं हुआ तो ग्राम प्रधान देहरादून में धरना प्रदर्शन करेंगे। धरना प्रदर्शन में प्रधान संघ की अध्यक्ष दीपा काण्डपाल, सुषमा यादव, तहमीना बेगम, आरती देवी, गौसिया रहमान, पूजा वर्मा, रिंकी आदि सहित कई प्रधान थे।

तमंचा दिखाकर..तमंचा रखकर धमकी देने के आरोप मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस ने आरोपी अन्नू पुत्र सुभाष को सेंट मैरी स्कूल बाजपुर के पास रेलवे क्रॉसिंग से गिरफ्तार कर लिया है। उसके पास से 1 अदद तमंचा अवैध 12 बोर और दो कारतूस बरामद किये गये हैं। पुलिस के मुताबिक पकड़ा गया आरोपी आपराधिक किस्म का है उसके विरुद्ध कोतवाली बाजपुर में पूर्व से हत्या व लूट के मुकदमे पंजीकृत हैं।

जगदीश
कलर लैब
टंडन फोटो स्टूडियो
पासपोर्ट फोटो तुरन्त प्राप्त करें
जनरेटर सुविधा भी उपलब्ध है।
मोबाइल, चिप, डिजिटल कैमरा, पेन ड्राइव, सीडी आदि डिजिटल कार्य तुरन्त बनवायें।
काशीपुर बाईपास रोड,
गुरूनानक कन्या इण्टर कालेज के सामने गली में, रुद्रपुर
E-mail: jagdishcolourlab@gmail.com
Web: jagdishcolourlab.com
05944-246817

जन्म दिन पर यशपाल आर्य को दी बधाई

रूदपुर (उद संवाददाता)।उत्तराखंड प्रदेश महिला कांग्रेस कमेटी की वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्रीमती मीना शर्मा और महानगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जगदीश तनेजा के नेतृत्व में दर्जनों कांग्रेस कार्यकर्ता उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष और सीएलपी लीडर यशपाल आर्य को उनके जन्मदिन की बधाई देने हल्द्वानी पहुंचे। इस अवसर पर सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने श्री आर्य को पगड़ी पहनाई शॉल ओढ़ाकर और फूल मालाएं पहनाकर बुके प्रदान कर उन्हें जन्मदिन की बधाई दी। इस दौरान श्री आर्य को बधाई देने वालों में प्रमुख रूप से महानगर महिला कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष मोनिका ढाली,महानगर कांग्रेस सेवा दल के अध्यक्ष संजीव रस्तोगी, महानगर यूथ कांग्रेस के अध्यक्ष संतोष गुप्ता, महानगर कांग्रेस कमेटी अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के अध्यक्ष रामप्रसाद ,एनएसयूआई के चेतन भट्ट, पूर्व प्रधान और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता विजय यादव, डॉ सुमित राय, सुदर्शन शर्मा ,अनिल शर्मा ,अरविंद सक्सेना ,राजेश कुमार, राहुल यादव, विनोद बड़ेला सहित बड़ी संख्या में अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

एनएसएस शिविर का समापन

पन्तनगर(उद संवाददाता)।संजय कालोनी पन्तनगर स्थित शिव मंदिर में आदर्श राजकीय बालिका इण्टर कालेज पन्तनगर की स्वयं सेविकाओं द्वारा एनएसएस शिविर में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी श्रीमती विमला कापड़ी द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि विद्यालय के प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष शिवानन्द पाण्डेय, विशिष्ठ अतिथि अंगद सिंह तथा समाजिक कार्यकर्ता संदीप वर्मा द्वारा दीप प्रज्जलन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया । एन०एस०एस० छात्राओं द्वारा लक्ष्य गीत प्रस्तुत किया गया तद्पश्चात नेहा निखत द्वारा शिविर की विस्तृत जानकारी अतिथियों को प्रदान की गयी । प्रधानाचार्य राईस्ता जमाल अंसारी द्वारा अतिथियो को धन्यवाद ज्ञापित किया गया कार्यक्रम का संचालन श्रीमती इन्दुपाण्डेय द्वारा किया गया ।

संस्थापक-स्व० हरनामदास सुखीजा एवं स्व०तिलकराज सुखीजा
स्वामित्वाधिकारी,प्रकाशक एवं मुद्रक परमपाल सुखीजा द्वारा उत्तरांचल दर्पण पब्लिकेशन्स, श्याम टाकीज रोड,रुद्रपुर,ऊधमसिंहनगर(उत्तराखण्ड)से मुद्रित एवं प्रकाशित
सम्पादक-परमपाल सुखीजा समाचार सम्पादक-जगदीश चन्द्र
आरएनआई नं.: UTTHIN/2002/8732 समस्त विवाद रूद्रपुर न्यायालय के अधीन होंगे।
E-mail-darpan.rdr@gmail.com,www.uttaranchaldarpan.in
फोन-245886(O)245701(Fax),9897427585,9897427586(Mob.)

SAMSUNG
BOSCH
SONY
JBL
VOLTAS
IFB
DELL
DAIKIN
ONEPLUS
MITSUBISHI ELECTRIC
Whirlpool
AMSTRAD
LLOYD
mi
SANSUI
गुरु माँ
अब मिलेगा
Online
से भी सस्ता
DIWALI DHAMAKA Sale
NO COST EMI
ATTRACTIVE EXCHANGE OFFERS
UPTO 55% OFF
UPTO 25% ADD CASHBACK
LED TV पर ऐसे ऑफर्स, खरीदे बिना रहा ना जाए
वाशिंग मशीन पर पैसा वसूल ऑफर्स
JBL स्पीकर्स - मनोरंजन अनलिमिटेड
आपके किचन की बढ़ाये शान
ऑफर्स ऐसे खरीदे बिना रहा ना जाए
सबसे कम दाम गारंटीड
डील्स ऐसी, जो कही ना मिले
WASHING MACHINE ONLY - ₹7,990/-*
LED TELEVISION ONLY - ₹8,990/-*
REFRIGERATOR ONLY - ₹9,990/-*
BAJAJ FINSERV
HDB FINANCIAL SERVICES
आधार लाये, उधार ले जाएँ
EMI मात्र ₹990 प्रति माह से शुरू*
दाम में भी कम, बिजली खपत भी करे कम
EASY EMI OPTION AVAILABLE
IndusInd Bank
YES BANK
citi
HDFC BANK
AMERICAN EXPRESS
AXIS BANK
Bank of Baroda
*Terms&ConditionsApply | *UnderExchange
HALDWANI
Tikonia +919997207007
Pilikhoti +919690256666
Pilikhoti +918923468434
KASHIPUR
Kashipur +91 8303074949
Ramnagar Road +91 8791989500
Cheema Chauraha +91 9012451341
Cheema Chauraha +91 9690785231
RUDRAPUR
Civil Lines +91 8958533331
Kashipur by Pass +91 9690282777
Kashipur by Pass +91 7895741313
Kashipur by Pass +91 9917170230
MORADABAD
Moradabad +91 7017558272
KICHHA
Kichha +91 7017595920
(Deepak Electronics)
HARIDWAR
Haridwar +91 9761699704
GADARPUR
Gadarpur +91 9927850999
(Guru Nanak Enterprises)